RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 244 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 02-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी सरकार ने आर्थिक नीति को तहस-नहस कर दिया : मल्लिकार्जुन खरगे

6 हनुमान जयंती : भक्ति, शक्ति और समर्पण का अद्भुत संगम

7 सिंगापुर की गलियों में बसा मौनी रॉय का दिल

फर्स्ट टेक

सोना, चांदी आभूषणों के आयात पर तत्काल प्रभाव से लगी पाबंदियां

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के कथित दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के मकसद से बुधवार को सोना, चांदी और प्लैटिनम आभूषणों के आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधात्मक शर्तें लागू कर दी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, सीमा शुल्क वर्गीकरण शीर्ष 7113 के तहत आने वाले इन उत्पादों की आयात नीति को 'मुक्त' से बदलकर 'प्रतिबंधित' कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अब सोना, चांदी एवं प्लेटिनम से बने आभूषणों का आयात करने के लिए डीजीएफटी से लाइसेंस या पूर्व-अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

चीन और भूटान ने निर्विवाद क्षेत्रों में सीमा निर्धारण पर चर्चा की

बीजिंग/भाषा। चीन और भूटान ने बुधवार को उन क्षेत्रों में सीमा निर्धारण पर चर्चा की, जहां ''कोई विवाद नहीं है''। दोनों पक्षों ने अपने सीमा मुद्दों पर 15वीं विशेषज्ञ समूह की बैठक के दौरान ये चर्चा की। वार्ता के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि यहां आयोजित विशेषज्ञ समूह की बैठक में दोनों पक्षों ने हाल के वर्षों में चीन-भूटान सीमा वार्ता में हुई प्रगति की पुष्टि की। इसमें कहा गया है कि दोनों पक्षों ने तीन-चरणीय रूपरेखा के कार्यान्वयन में और प्रगति करने के लिए मैत्रीपूर्ण माहौल में रचनात्मक चर्चा की। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष सीमा वार्ता की गति को बनाए रखने और आपसी सहमति से सुविधाजनक तिथियों पर भूटान में विशेषज्ञ समूह की बैठक का अगला दौर आयोजित करने पर सहमत हुए।

रूस ने यूक्रेन के लुहांस्क पर पूर्ण नियंत्रण का किया दावा

कीव/एपी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को दावा किया कि रूसी सशस्त्र बलों ने यूक्रेन के पूरे लुहांस्क क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। हालांकि यूक्रेन के एक सैन्य अधिकारी ने इस दावे का खंडन किया है। ये दावे-प्रतिदावे ऐसे समय में किये गये हैं जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अमेरिकी दूतों के साथ वार्ता की तैयारी में जुटे हैं। ये अमेरिकी दूत रूस के आक्रमण पर पूर्ण विराम के लिए मध्यस्थता प्रयास कर रहे हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''ग्रुप ऑफ फोर्सेज वेस्ट की इकाइयों ने लुहांस्क पीपुल्स रिपब्लिक को पूरी तरह से मुक्त करा लिया है।'' हालांकि, यूक्रेन के संयुक्त बल के प्रवक्ता विक्टर ट्रेहुबोव ने कहा कि उस क्षेत्र में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

सूर्यास्त 02-04-2026 6:20 बजे	सूर्योदय 03-04-2026 6:03 बजे
BSE 73,134.32 (+1,186.77)	NSE 22,679.40 (+348.00)
सोना 15,748 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 249,000 रु. प्रति किलो

सोने के टुकड़ों के लिए

एलडीएफ ने भगवान अयप्पा के साथ किया विश्वासघात : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे आरोप लगाया कि एलडीएफ का अर्थ लूट, विभाजन और विफलता है, जबकि यूडीएफ का अर्थ अविश्वास, बेईमानी और धोखाधड़ी है।

कोच्चि/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को आरोप लगाया कि भगवान का अपना घर कहे जाने वाले केरल में भगवान सुरक्षित नहीं हैं क्योंकि सत्तारूढ़ एलडीएफ ने सोने के कुछ टुकड़ों के लिए भगवान अय्यप्पा के साथ विश्वासघात किया।

वह स्पष्ट रूप से सबरीमाला सोने की चोरी के मामलों का संदर्भ दे रहे थे।

परवूर विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि जिस तरह जूडस (इस्कैरियट) ने यीशु मसीह को धोखा दिया, उसी तरह वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने भगवान अय्यप्पा को धोखा दिया।

उन्होंने एलडीएफ और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर केरल की जनता के साथ विश्वासघात करने, समाज को विभाजित करने, राज्य की अर्थव्यवस्था को नष्ट करने और जनता से किए गए वादों को पूरा न करने का भी आरोप लगाया।

रक्षा मंत्री ने चुनावी भाषण के दौरान यह भी आरोप लगाया कि एलडीएफ और यूडीएफ दोनों में 'फ्रंट' (मोर्चा) शब्द का अर्थ भ्रष्टाचार का मोर्चा है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि एलडीएफ का अर्थ लूट, विभाजन और विफलता है, जबकि यूडीएफ का अर्थ अविश्वास, बेईमानी और धोखाधड़ी है।

कांग्रेस की प्राथमिकता लोगों का हित नहीं, बल्कि अपने परिवारों का हित है : प्रधानमंत्री

कांग्रेस सत्ता में आई तो वह असम में घुसपैठियों की रक्षा के लिए कानून लाएगी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कांग्रेस का लक्ष्य बहुसंख्यक समुदाय को अल्पसंख्यक में बदलना और घुसपैठियों का एक स्थायी वोट बैंक बनाना है।

■ मोदी ने कांग्रेस पर देश को उसी तरह बांटने का आरोप लगाया, जैसा विभाजन के दौरान मुस्लिम लीग ने किया था।

गोगामुख/बेहाली (असम)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव अभियान की शुरुआत की। उन्होंने राज्य में लोगों के आशीर्वाद से अपनी पार्टी के जीत की 'हैट्रिक' लगाने का भरोसा जताया। साथ ही कहा कि कांग्रेस असम चुनाव में हार का शतक लगाएगी।

मोदी ने आरोप लगाया कि अगर कांग्रेस असम में सत्ता में आई तो वह घुसपैठियों की रक्षा के लिए कानून लाएगी, लेकिन भाजपा और उसके सहयोगी ऐसा होने नहीं देंगे।

मोदी ने अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत डिब्रूगढ़ जिले के मनोहारी चाय बागान के दौरे से की, जहां उन्होंने महिला श्रमिकों के साथ चाय की पत्तियां तोड़ीं और उनसे बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, चाय असम की आत्मा है! यहां की चाय ने पूरी दुनिया में अपनी जगह बनाई है। मैं आज सुबह डिब्रूगढ़ में एक चाय बागान में गया और वहां काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की। यह एक बहुत ही यादगार अनुभव था। असम में अगले हफ्ते मतदान से पहले मोदी के एक चाय बागान का दौरा करने के अहम निहितार्थ हैं, क्योंकि राज्य के 850 से ज्यादा चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिक एक बड़ा 'वोट बैंक' हैं।

मोदी ने धेमाजी जिले के गोगामुख में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य बहुसंख्यक समुदाय को अल्पसंख्यक में बदलना और घुसपैठियों का एक स्थायी वोट बैंक बनाना है। उन्होंने दावा किया कि 2014 में भाजपा के सत्ता में आने से पहले कांग्रेस ने केंद्र में एक कानून लाने की कोशिश की थी, लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने उसका विरोध किया था।

मोदी ने कांग्रेस पर देश को उसी तरह बांटने का आरोप लगाया, जैसा विभाजन के दौरान मुस्लिम लीग ने किया था। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान को भी आघात पहुंचाया है।

तीसरी से आठवीं कक्षा तक के लिए

शिक्षा मंत्री प्रधान ने शुरू किया कृत्रिम बुद्धिमत्ता का पाठ्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को तीसरी से आठवीं कक्षा तक के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और 'कम्प्यूटेशनल थिंकिंग' पाठ्यक्रम की शुरुआत की। मंत्री ने कहा कि इस पाठ्यक्रम से औपचारिक रूप से स्कूली परिवेश में एआई शिक्षा की शुरुआत होगी।

प्रधान ने कहा, ''इस पाठ्यक्रम की शुरुआत शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में भविष्य के लिए तैयार शिक्षा की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। यह पहल औपचारिक रूप से स्कूलों के समग्र वातावरण में एआई शिक्षा की शुरुआत कराती है।''

उन्होंने कहा कि इस पहल के जरिये छात्रों को उभरती प्रौद्योगिकियों से शुरुआती स्तर पर ही रूबरू कराया जा सकेगा, जो उनके लिए भविष्य की मजबूत नींव होगी।

प्रधान ने कहा कि 'शिक्षा के लिए एआई, शिक्षा में एआई' की परिकल्पना के अनुरूप, यह बेहतर शिक्षा की दिशा में एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है, जो युवा दिमागों में आलोचनात्मक सोच, डिजाइन अभिविन्यास और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

सीबीएसई ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और 'कम्प्यूटेशनल थिंकिंग' के पाठ्यक्रम को विकसित करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा

हम समुद्र के रास्ते पाकिस्तान पर कुछ ही मिनट में हमला करने वाले थे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने बुधवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय नौसेना समुद्र से पाकिस्तान पर कुछ ही मिनट में हमला करने वाली थी, जब उन्होंने (पाकिस्तान ने) सैन्य कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया।

वह यहां नौसेना अलंकरण समारोह में बोल रहे थे, जहां उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पिछले साल चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी विशिष्ट सेवा के लिए दो शीर्ष नौसेना अधिकारियों को युद्ध सेवा पदक से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय नौसेना की अनुकरणीय तत्परता और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया, क्योंकि इसकी इकाइयों ने त्वरित तैनाती

की और पूरी अवधि के दौरान अत्यधिक आक्रामक रुख बनाए रखा।

उन्होंने अभियान में नौसेना की भूमिका पर कहा, यह अब कोई छिपी हुई बात नहीं है कि जब पाकिस्तान ने सैन्य कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया, तब हम समुद्र से उस पर कुछ ही मिनट में हमला करने वाले थे। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान त्वरित और दृढ़ कार्रवाई के माध्यम से भारतीय नौसेना ने अपनी क्षमताओं में राष्ट्र के विश्वास और भरोसे को मजबूत किया।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर और पूरे वर्ष की निरंतर परिचालन गति के अलावा, हमें पश्चिमी तट पर भारतीय नौसेना के साथ ऐतिहासिक 17 घंटे की रात्रिकालीन यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री के समक्ष अपनी परिचालन क्षमताओं की व्यापकता और गहराई का प्रदर्शन करने पर भी बहुत गर्व हुआ।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब से अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध शुरू हुआ है, तब से इस क्षेत्र में 20 से अधिक वाणिज्यिक जहाजों पर हमले हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि संघर्ष के बीच लगभग 1,900 जहाज फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले जहाजों की दैनिक संख्या संघर्ष से पहले के लगभग 130 के औसत से घटकर छह-सात रह गई है।

चंडीगढ़ में भाजपा कार्यालय के बाहर धमाका, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के यहां स्थित कार्यालय के बाहर बुधवार शाम हुए विस्फोट से अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने बताया कि धमाका किसी देसी उपकरण के फेंके जाने से हुआ प्रतीत होता है। किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक टीम विस्फोट की जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने बताया कि विस्फोट शाम करीब पांच बजे हुआ।

भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ ने इसे पार्टी कार्यालय पर हमला करार दिया।

इस बीच, सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें अपने हाथ में हेलमेट लिए हुए एक व्यक्ति हथगोले जैसी वस्तु फेंकता हुआ दिखाई दे रहा है, जबकि दूसरा व्यक्ति इस कृत्य को रिकॉर्ड कर रहा है। वस्तु फेंके जाने के बाद, दोनों भागने लगे और फिर धमाके की आवाज सुनाई दी। दस सेकंड के वीडियो में उनके चेहरे दिखाई नहीं दे रहे थे।

ईरान को व्यवस्थित तरीके से कुचला जा रहा है, देर-सवेर उसका ढहना तय : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/भाषा। ईरान के खिलाफ युद्ध में ''बड़ी उपलब्धियों'' की प्रशंसा करते हुए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार शाम कहा कि इजराइल-अमेरिका का संयुक्त अभियान इस्लामी शासन को ''व्यवस्थित तरीके से कुचल रहा है'' और इस यहूदी राष्ट्र के सामने मौजूद अस्तित्वगत खतरों को खत्म कर रहा है।

यहूदी पर्व 'पेसाच' (पासओवर) से पहले हिब्रू में राष्ट्र को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि ''देर-सवेर'' ईरानी शासन गिर जाएगा और इजराइल, तेहरान से उत्पन्न साझा खतरे के खिलाफ ''क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के साथ नए गठबंधन'' बना रहा है।

इजराइली प्रधानमंत्री ने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन संक्षेप में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ''जल्द ही मैं आपको इन महत्वपूर्ण गठबंधनों के बारे में और बता पाऊंगा।''

नेतन्याहू ने कहा, ''स्वतंत्रता पर्व की पूर्व संध्या पर इजराइल पहले से कहीं अधिक मजबूत है। पूरी दुनिया ईरान के दुष्ट शासन के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमारी दहाड़ सुन रही है, एक ऐसी लड़ाई जिसमें हमने अपार उपलब्धियां हासिल की हैं।''

पाकिस्तान और अफगान तालिबान ने चीन में वार्ता फिर शुरू की

इस्लामाबाद/एपी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने चीन में बातचीत फिर से शुरू कर दी है। चीन एक महीने से अधिक समय से जारी लड़ाई के बाद दोनों पक्षों के बीच स्थायी युद्धविराम कराने के लिए मध्यस्थता कर रहा है। दो पाकिस्तानी अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। चीन के मध्यस्थता प्रयासों के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि वार्ता का उद्देश्य मौजूदा लड़ाई को समाप्त करना है।

ईरान के खिलाफ युद्ध में ब्रिटेन 'घसीटा नहीं जाएगा': प्रधानमंत्री स्टार्मर

लंदन/भाषा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने बुधवार को कहा कि ईरान के खिलाफ युद्ध में ब्रिटेन को ''घसीटा नहीं जाएगा'' और उन्होंने घोषणा की कि वे इस सप्ताह होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए सभी व्यवहार्य कूटनीतिक तथा राजनीतिक उपायों पर चर्चा करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। स्टार्मर ने डाउनिंग स्ट्रीट में एक प्रेसवार्ता की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाटो पर की गई हालिया टिप्पणियों को ''एक तरह का हल्ला'' कहकर खारिज करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध का प्रभाव ''हमारे देश के भविष्य को प्रभावित करेगा''।

होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करना 'हमारी जिम्मेदारी नहीं': ट्रंप

दुबई/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध में सहयोग देने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाने वाले मित्र देशों के लिए कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी अमेरिका की नहीं है।

राष्ट्रपति ने अनुमान जताया कि अमेरिकी सेना दो से तीन सप्ताह में हमले खत्म कर देगी। उन्होंने कहा कि ईरान द्वारा बाधित किए गए होर्मुज जलडमरूमध्य में क्या होता है, उससे अमेरिका का ''कोई लेना-देना नहीं होगा।'' उन्होंने पत्रकारों से कहा कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को खुला रखने की जिम्मेदारी उन देशों की है जो इस पर निर्भर हैं।

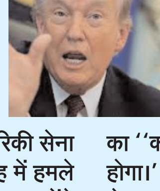

ट्रंप ने कहा, ''यह हमारा काम नहीं है। यह फ्रांस का काम होगा। यह उनका काम होगा, जो इस जलडमरूमध्य का इस्तेमाल कर रहे हैं।''

गेंदबाजों और रिजवी ने दिलाई

दिल्ली कैपिटल्स को सुपर जाइंट्स पर छह विकेट की जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। तेज गेंदबाजों लुंगी एनगिडी और टी नटराजन की तूफानी गेंदबाजी के बाद समीर रिजवी के अर्धशतक से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ विषम परिस्थितियों से उबरकर छह विकेट की जीत दर्ज करते हुए अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की।

सुपर जाइंट्स के 142 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली ने इंपेक्ट प्लेयर के रूप में उतरे रिजवी की 47 गेंद में चार छक्कों और पांच चौकों से नाबाद 70 रन की पारी और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 39, 32 गेंद, तीन चौके, एक छक्का) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 110 रन की अटूट साझेदारी से 26 रन पर चार विकेट गंवाने के बावजूद 17.1 ओवर में चार विकेट पर 145 रन बनाकर जीत दर्ज की।

सुपर जाइंटस की टीम इससे पहले तेज गेंदबाजों लुंगी एनगिडी (27 रन पर तीन विकेट) और टी नटराजन (29 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.4 ओवर में 141 रन पर सिमट गई। कुलदीप यादव (31 रन पर दो विकेट) ने भी दो विकेट हासिल किए।

सुपर जाइंट्स की ओर से अब्दुल समद (36) और सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श (35) ही टिककर बल्लेबाजी कर पाए। इन दोनों के अलावा टीम का अन्य कोई बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने पांचवें ओवर में 26 रन तक ही चार विकेट गंवा दिए।

लोकेश राहुल (00) ने मोहम्मद शमी (28 रन पर एक विकेट) की पारी की पहली गेंद पर डीप प्वाइंट पर मोहसिन खान को कैच थमाया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बक-झक

इक दूजे को देते धत्ता,
करते नित प्रति चिक चिक हैं।
आरोपों प्रत्यारोपों से,
करते केवल झिक झिक हैं।
गोल नहीं होता है उनसे,
मार रहे कोरी किक हैं।
कहते हैं वे स्वस्थ स्वयं को,
पर सचमुच में वे सिक हैं।।

खेती और तकनीक का संगम ही विकसित भारत का आधार : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को खेती और तकनीक के संगम को विकसित भारत का आधार बताते हुए वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों से जल स्तर में सुधार, कृषि विकास और शहरी खेती को बढ़ावा देने में योगदान का आह्वान किया।

गुप्ता ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताते हुए अधिक वृक्षारोपण, 'वर्टिकल गार्डनिंग', (दीवार, जाली, स्टैंड या पाइप पर पौधे लगाना) जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन पर जोर दिया। गुप्ता ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईएआरआई) के 122वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कि कहा कि उनकी सरकार ने पहली बार रिज क्षेत्र के लगभग 4200 हेक्टेयर को अधिसूचित कर हरित क्षेत्र बढ़ाने की दिशा में अहम कदम उठाया है और आईएआरआई से मिट्टी की उर्वरता, शहरी हरियाली व वैज्ञानिक पौधरोपण के लिए सहयोग मांगा है। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों से जल स्तर में सुधार, कृषि विकास और शहरी खेती को बढ़ावा देने में योगदान का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने खेतों को प्रयोगशालाओं से जोड़ते हुए हरित क्रांति से लेकर आधुनिक तकनीकों तक भारत की खेती को नई दिशा दी है और खाद्य सुरक्षा व आत्मनिर्भरता को मजबूत किया है।

एटीएफ की कीमतें दोगुनी हुईं, घरेलू एयरलाइंस के लिए वृद्धि 8.5 प्रतिशत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक स्तर पर तेल कीमतों में आए उछाल के कारण एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) या विमान ईंधन की कीमत बुधवार को बढ़ाकर रिकॉर्ड 2.07 लाख रुपए प्रति किलोलीटर से अधिक कर दी गई। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने घरेलू विमानन कंपनियों के लिए इसे 8.5 प्रतिशत तक सीमित रखा गया। ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत रुझानों के बीच वाणिज्यिक एलपीजी और प्रीमियम पेट्रोल की दरों में भी वृद्धि की गई।

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों के अनुसार, घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमत में 8,289.04 रुपए प्रति किलोलीटर या 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। उन्हें विमान ईंधन 104,927.18 रुपए प्रति किलोलीटर की कीमत पर मिलेगा। पिछले महीने यह 96,638.14 रुपए प्रति किलोलीटर थी। इसके साथ ही, व्यावसायिक एलपीजी की कीमत में 195.50 रुपए प्रति सिलेंडर (19 किलोग्राम) की वृद्धि की गई।

देश में बिकने वाले चुनिंदा प्रीमियम या ब्रांडेड पेट्रोल और डीजल के दाम भी बढ़ाए गए हैं। इस प्रकार के ईंधन का इस्तेमाल दो से पांच प्रतिशत तक है। इससे 'एक्स्ट्रा ग्रीन' डीजल की कीमत 1.50 रुपए बढ़कर 92.99 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं 100 ऑक्टेन पेट्रोल (एक्सपी100) की कीमत 11 रुपए प्रति लीटर बढ़कर 160 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है सामान्य या बिना ब्रांड वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित हैं। साथ ही घरेलू खाना पकाने वाली गैस एलपीजी की दरें भी यथावत हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें एक महीने में 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो जाने के बावजूद ''केवल 25 प्रतिशत (यानी 15 रुपए प्रति लीटर या 15,000 रुपए प्रति किलोलीटर) की आंशिक एवं चरणबद्ध बढ़ोतरी'' का भार ही विमानन कंपनियों पर डाला जा रहा है। नागर विमानन मंत्रालय ने भी इस आंकड़े का समर्थन किया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने दोनों आंकड़ों के बीच अंतर को यह कहते हुए स्पष्ट किया कि एक आंकड़ा सभी उपकर व करों सहित अंतिम दर को दर्शाता है, जबकि 25 प्रतिशत का आंकड़ा एटीएफ के ''आधार मूल्य'' पर की गई बढ़ोतरी को बताता है।

शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एटीएफ कीमतों में संशोधन के मामले में संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया है, ताकि इसका प्रभाव न्यूनतम रहे।

सूरत में कपड़ा कारखाने में लगी भीषण आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत (गुजरात)/भाषा। गुजरात के सूरत में बुधवार को एक कपड़ा कारखाने में भीषण आग लग गई, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि सचिन औद्योगिक क्षेत्र स्थित 'गोपी निटिंग टेक्सटाइल फैक्टरी' में सुबह लगभग 10 बजे आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, आग पर काबू पाने के लिए शुरुआत में कारखाने और औद्योगिक क्षेत्र में मौजूद अग्निशमन उपकरणों का इस्तेमाल किया गया।

हालांकि, जब आग की लपटें लगातार बढ़ती गईं, तो सुबह करीब 11:30 बजे सूरत दमकल विभाग को सूचना दी गई।

उन्होंने बताया कि कपड़े और नायलॉन सामग्री की मौजूदगी के कारण आग तेजी से फैलने लगी और पूरे कारखाने को अपनी चपेट में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए 12 से अधिक दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने कहा कि आग को आसपास के कारखानों में फैलने से रोकने के लिए एहतियाती उपाय किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन इससे कारखाने को व्यापक नुकसान हुआ है।

अब तक वापस आ चुके हैं 2,000 रुपए के 98.45 प्रतिशत नोट: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि 2,000 रुपए मूल्य वर्ग के चलन में मौजूद 98.45 प्रतिशत बैंक नोट अब तक वापस आ चुके हैं।

केंद्रीय बैंक ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपए मूल्यवर्ग के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि 19 मई, 2023 को कारोबार समाप्ति के समय चलन में मौजूद 2,000 रुपए के नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था, जो 31 मार्च 2026 को घटकर 5,501 करोड़ रुपए रह गया है।

आरबीआई ने कहा, इस तरह 19 मई 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपए के नोट में से 98.45 प्रतिशत अब तक वापस आ चुका है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि 2,000 रुपए के नोटों को बदलने की सुविधा उसके 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। ये कार्यालय व्यक्तियों और इकाइयों के बैंक खातों में जमा के लिए भी ऐसे नोट स्वीकार कर रहे हैं। आम लोग देश के किसी भी डाकघर से डाक के जरिये 2,000 रुपए के नोट आरबीआई के निर्गम कार्यालय को भेजकर अपने बैंक खाते में जमा करा सकते हैं।

भारत टैक्सी को ओला, उबर से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि सरकार समर्थित सहकारी परिवहन मंच भारत टैक्सी को शुरुआती दौर में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें ओला और उबर जैसी निजी कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा शामिल है।

सहकारिता मंत्री शाह ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ''ई-गवर्नेंस टूल'' के साथ-साथ कल्याण और जागरूकता, प्रशिक्षण और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के माध्यम से इन्हें दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत भारत टैक्सी की स्थापना छह जून 2025 को सहकारिता के क्षेत्र में काम करने वाले राष्ट्रीय स्तर के 8 संस्थानों द्वारा की गई है जिसे आधिकारिक रूप से पांच फरवरी 2026 को शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि 23 मार्च 2026 तक, भारत टैक्सी से लगभग 4.31 लाख चालक- भागीदार जुड़े हैं। ये सेवाएं वर्तमान में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और अहमदाबाद, राजकोट एवं सूरत सहित गुजरात के चुनिंदा शहरों में मुहैया की जा रही हैं। भारत टैक्सी की योजना अगले तीन साल में देश भर में छोटे शहरों के साथ-साथ जिला और तहसील स्तरों पर सेवा विस्तार करने की है।

भारत टैक्सी का लक्ष्य लोगों को सुरक्षित और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करते हुए चालकों के लिए उचित और पारदर्शी आय सुनिश्चित करना, कमीशन-आधारित शोषण को खत्म करना, भागीदारी को बढ़ावा देना और सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुंच प्रदान करना है।

जन विश्वास विधेयक लोकसभा में पारित

गोयल ने 'विश्वास की संस्कृति' बनाने वाला कानून बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि जन विश्वास विधेयक का उद्देश्य भरोसे की एक संस्कृति बनाना है और ''विश्वास की संस्कृति'' भय के आधार पर नहीं, बल्कि कर्तव्य के आधार पर बनेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित कानून को इसी सोच के साथ लाया जा रहा है। गोयल ने 'जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक, 2026' पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि प्रस्तावित कानून में सबसे बड़ा यह प्रावधान किया गया है कि यह ''आपको सुधरने का मौका देता है।''

गोयल के जवाब के बाद सदन ने कुछ विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी। उन्होंने कहा, ''कई ऐसे प्रावधान हैं, जिनमें छोटी-मोटी गलती होने पर पहले चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, गलती की तो दंड लगेगा और फिर यदि कुछ और गंभीर गलती करते हैं तो तीसरी बार दंड बढ़ जाएगा और अदालती कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा।'' मंत्री ने कहा कि इसे 'चरणबद्ध कार्रवाई' कहा जाता है और इससे व्यक्ति को सुधरने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, ''प्रस्तावित कानून का उद्देश्य विश्वास की एक संस्कृति बनाना है, 'कल्चर ऑफ ट्रस्ट' जो भय के आधार पर नहीं, बल्कि कर्तव्य के आधार पर हो। इस (प्रस्तावित) कानून को इसी सोच के साथ लाया गया है।'' गोयल ने कहा कि यह प्रस्तावित कानून दर्शाता है कि इस कर्तव्य भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत बनाने के लिए ''हम सब तत्पर हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारी कोशिश है कि दंड देने वाली गुलामी की जो मानसिकता थी, उसे न्याय में कैसे बदला जाए।''

बैंक की कर्ज वृद्धि में आ सकती है कमी, एनपीए बढ़ने की आशंका: क्रिसिल रेटिंग्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने वित्त वर्ष 2026-27 में बैंकों की ऋण वृद्धि में मामूली गिरावट और कर्ज लौटाने में चूक बढ़ने का अनुमान जताया है।

क्रिसिल ने बुधवार को कहा कि बैंक 2026-27 में कर्ज में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेंगे। यह वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित 14 प्रतिशत की तुलना में मामूली गिरावट है। रेटिंग एजेंसी ने यह भी कहा कि बैंकों की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (निष्पादित परिसंपत्तियां) अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई हैं और मार्च, 2027 तक 0.20 प्रतिशत बढ़कर 2.5 प्रतिशत तक हो सकती हैं। मुख्य रेटिंग अधिकारी कृष्णन सीतारमण ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों को दिए गए ऋण पर नजर रखने की जरूरत है। खासकर उन छोटे उद्योगों के मामले में जिनका पश्चिम एशिया में बाजार है या फिर वे वहां से कच्चे माल लेते हैं। इसके साथ संपत्ति के बदले दिए गए छोटी राशि के कर्ज और कुछ बिना गारंटी वाले ऋण पर भी नजर रखने की जरूरत है। उन्होंने स्वीकार किया कि सेरेमिक और हीरा पॉलिश जैसे क्षेत्रों में इकाइयों को पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण पहले ही प्रतिकूल स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर राहत पैकेज दिया जा सकता है, क्रिसिल के अधिकारियों ने केवल इतना कहा कि राजकोषीय और मौद्रिक प्राधिकरण प्रतिकूल घटनाओं के बाद उद्योग के लिए उपयुक्त कदम उठा सकते हैं।

नाइजीरियाई महिला के पास से मिली सवा करोड़ रुपए की कोकीन

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के रोहिणी में नाइजीरिया की 42 वर्षीय महिला नागरिक को गिरफ्तार किया है और उसके पास से लगभग 1.25 करोड़ रुपए मूल्य की 100 ग्राम से अधिक कोकीन जब्त की है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान विकासपुरी निवासी पीस के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इलाके में मादक पदार्थ की आपूर्ति करने वालों के सक्रिय होने के सूचना पर उसे रोहिणी के सेक्टर-3 में मछली बाजार के पास से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर कार्रवाई करते हुए, एक टीम ने 31 मार्च को छापा मारा और संदिग्ध को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान, उसके पास से 109.04 ग्राम कोकीन बरामद की गई।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने सेना उप प्रमुख का पदभार संभाला

नई दिल्ली/भाषा। पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दक्षिणी कमान का जिम्मा संभालने वाले लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को सेना के उप प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया। वह लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह का स्थान लेंगे। साउथ ब्लॉक के उद्यान में आयोजित एक समारोह में, ले.जनरल सेठ ने भारतीय सेना में महत्वपूर्ण नेतृत्व पद ग्रहण करते हुए सलामी गारद का निरीक्षण किया।

एक दिन पहले, लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में अपना पद छोड़ा था। खड़कवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व-छात्र धीरज सेठ ने दिसंबर 1986 में बख्तरबंद कोर में कमीशन प्राप्त किया था। लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने बुधवार को पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यभार संभाला। उनके पूर्ववर्ती लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार 31 मार्च को सेवानिवृत्त हो गए थे। पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने दिसंबर 1987 में इसकी चौथी बटालियन में कमीशन प्राप्त किया था। सिंह ने देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी और लखनऊ विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की है और लगभग 40 वर्षों की सेवा में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कमान और स्टाफ पदों पर कार्य किया है।

कश्मीरी पंडितों की संपत्तियों एवं धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि जब तक कश्मीरी पंडित सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से घाटी में वापस नहीं लौट आते हैं, तबतक उनकी संपत्तियों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

विधानसभा में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के विधायक अर्जुन सिंह राजू द्वारा पेश किए गए एक निजी विधेयक का विरोध करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार इस विषय पर कानून लाने के लिए तैयार है, बशर्ते समुदाय के भीतर आम सहमति हो। राजू ने इस केंद्र शासित प्रदेश में कश्मीरी हिंदुओं के तीर्थस्थलों और धार्मिक स्थलों के बेहतर प्रबंधन, संरक्षण एवं प्रशासन की मांग करते हुए यह विधेयक पेश किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि कश्मीरी पंडितों को बेहद कठिन परिस्थितियों में घाटी छोड़कर जम्मू में अथवा जम्मू-कश्मीर के बाहर अन्य जगहों पर बसने के लिए मजबूर होना पड़ा। सुरक्षा खतरे में पड़ने के बाद ही उन्हें पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। जब तक सुरक्षा की भावना पूरी तरह से बहाल नहीं हो जाती, तब तक उनकी वापसी की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, 1990 से केंद्र और जम्मू-कश्मीर की सभी सरकारों ने कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक वापसी सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है, लेकिन उनकी वापसी के लिए आवश्यक परिस्थितियां अभी तक नहीं बन पाई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी वापसी तक कश्मीरी पंडितों की संपत्तियों, विशेष रूप से उनके धार्मिक स्थलों और जमीनों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा पर दुष्प्रचारात्मक फिल्में बनाने से किसी को नहीं रोक सकती, क्योंकि इस तरह की कहानियां अधिक ध्यान आकर्षित करती हैं।

उन्होंने कहा कि लेकिन एक और पहलू है जिसे शायद ही कभी उजागर किया जाता है - कि कश्मीरी पंडितों की अनुपस्थिति में, कई क्षेत्रों में स्थानीय कश्मीरी मुसलमानों ने उनके मंदिरों की रक्षा और संरक्षण किया है।

डिजिटल भुगतान के लिए दो-स्तरीय सत्यापन हुआ जरूरी, धोखाधड़ी पर लगेगी रोक

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन भुगतान में धोखाधड़ी पर रोक लगाने के लिए यूपीआई समेत सभी डिजिटल मंचों से होने वाले लेनदेन के लिए दो-स्तरीय प्रमाणीकरण बुधवार से अनिवार्य हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्देशों के तहत सभी तरह के डिजिटल लेनदेन के लिए अब दो-स्तरीय सत्यापन करना अनिवार्य हो गया है। नए नियम के तहत कोई भी डिजिटल लेनदेन पूरा करने के लिए उपयोगकर्ता का दो स्तरों पर सत्यापन करना होगा। इसका मतलब है कि अब केवल यूपीआई पिन डालने से ही भुगतान पूरा नहीं होगा बल्कि ओटीपी, अंगुली के निशान या चेहरे का सत्यापन जैसे कदम भी जरूरी होंगे। इस तरह यूपीआई पिन लीक होने की स्थिति में भी अनधिकृत भुगतान को रोका जा सकेगा। आरबीआई ने कहा है कि सभी डिजिटल भुगतान लेनदेन में दो-स्तरीय सत्यापन करना अनिवार्य है। हालांकि इसके लिए किसी विशेष तरीके को अनिवार्य नहीं किया गया है। लेकिन अधिकांश मामलों में एसएमएस के जरिये आने वाले 'वनटाइम पासवर्ड' (ओटीपी) का अतिरिक्त सुरक्षा के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। केंद्रीय बैंक ने अपने निर्देश में कहा था कि बैंक और गैर-बैंकिंग संस्थाओं समेत सभी भुगतान प्रणाली प्रदाताओं और प्रतिभागियों को एक अप्रैल, 2026 तक इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना है।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में नौकरी पर टिके रहने की प्रवृत्ति अधिक: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में संगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाएं, पुरुषों की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक समय तक अपनी नौकरी में टिकी रहती हैं। बुधवार को जारी एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है, जो इस पुरानी धारणा को गलत साबित करती है कि महिलाएं जल्दी नौकरी छोड़ देती हैं।

वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) मंच 'सैलरी-से' द्वारा किए गए इस अध्ययन के आंकड़े 47,800 से अधिक ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) रिकॉर्ड के विश्लेषण पर आधारित हैं। इनमें मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों के वेतनभोगी पेशेवरों को शामिल किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं का नौकरी पर टिके रहने का औसत समय 10.6 महीने है, जबकि पुरुषों के लिए यह केवल 7.8 महीने है। वास्तव में केवल 36 प्रतिशत महिलाएं ही पहले छह महीनों के भीतर नौकरी छोड़ती हैं, जबकि पुरुषों के मामले में यह आंकड़ा 44 प्रतिशत है। हालांकि, नौकरी में अधिक स्थिरता के बावजूद काम करने वाले कुल लोगों में महिलाओं की भागीदारी अब भी काफी कम है। रिपोर्ट के मुताबिक, कार्यबल में प्रत्येक 13 कर्मचारियों में से केवल एक महिला है, जो कुल ईपीएफओ रिकॉर्ड का मात्र 7.6 प्रतिशत है। विश्लेषण में यह भी पाया गया कि जो महिलाएं कार्यबल में शामिल होती हैं, वे लंबे समय तक काम करती हैं, लेकिन विभिन्न क्षेत्रों और भूमिकाओं में उन्हें मिलने वाले अवसरों में असमानता बनी हुई है। क्षेत्रवार आंकड़ों को देखें तो सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग में महिलाओं की हिस्सेदारी 13.2 प्रतिशत रही, जो कुल औसत से लगभग दोगुनी है। शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक 20.3 प्रतिशत दर्ज किया गया। इसके विपरीत, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र में पुरुषों का दबदबा बना हुआ है, जहां महिलाओं की भागीदारी क्रमशः 3.6 प्रतिशत और 3.2 प्रतिशत ही है।

वित्त वर्ष के पहले दिन शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 1,187 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। चालू वित्त वर्ष के पहले दिन स्थानीय शेयर बाजार में तेजी रही और बीएसई सेंसक्स 1,187 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 348 अंक की बढ़त में रहा। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार में मजबूती आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,186.77 अंक यानी 1.65% बढ़कर 73,134.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय 2,017.03 अंक की तेजी दर्ज की गई और यह 73,964.58 अंक पर पहुंच गया था।

पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 348 अंक यानी 1.56% चढ़कर 22,679.40 अंक पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने भी बाजार की धारणा को मजबूती दी। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट, इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक और इटर्नल प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एनटीपीसी, सन फार्मा, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारती एयरटेल शामिल हैं। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में 3,828 शेयर लाभ में रहे, जबकि 508 में गिरावट आई। वहीं 101 के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में सकारात्मक रुख था। अमेरिकी बाजारों में मंगलवार को तेजी थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.22 प्रतिशत टूटकर 103.7 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। 'महावीर जयंती' के मौके पर मंगलवार को शेयर बाजार बंद रहे थे। शेयर बाजार आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 11,163.06 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

राजग तमिलनाडु का नाम बदलकर दक्षिण प्रदेश करने से भी नहीं हिचकेगा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को आरोप लगाया कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) तमिलनाडु में सत्ता में आता है, तो वह उसका नाम बदलकर दक्षिण प्रदेश करने से भी नहीं हिचकेगा।

स्टालिन ने तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के सिलसिले में यहां एक जनसभा में कहा कि ऐसी स्थिति को रोकने के लिए पूरे राज्य को अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन के खिलाफ एकजुट हो जाना चाहिए । उन्होंने मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के दामन पर संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के खून के दाग लगे होने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अन्नाद्रमुक ने राज्यसभा में सीएए का समर्थन किया, जिससे पीएमके के साथ मिलकर इसे पारित करने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि ''जब इस अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हुए, तो हजारों लोगों पर हमले हुए और लगभग 70 लोग मारे गए।'' उन्होंने दावा किया कि ''अन्नाद्रमुक के हाथों पर खून के दाग हैं।'' स्टालिन ने कहा कि विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने तीनों कृषि कानूनों का समर्थन करते हुए उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले आठ राज्यों के किसानों का अपमान' किया और किसानों को दलाल' कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के साथ गठबंधन करके पलानीस्वामी पूरी तरह से संघी' (आरएसएस सदस्य) बन गए हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पलानीस्वामी का कहना है कि अन्नाद्रमुक गठबंधन में कोई समस्या नहीं है, फिर भी उन्होंने दिल्ली की कई यात्राएं कीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए कई घंटों तक इंतजार किया, गाड़ियां बदलीं और अपना चेहरा छिपाया। स्टालिन ने आरोप लगाया, पलानीस्वामी कहते हैं कि अन्नाद्रमुक गठबंधन का नेतृत्व कर रही है, जबकि छोटी पार्टियां अन्नाद्रमुक के चुनाव चिन्ह पर नहीं बल्कि भाजपा के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ रही हैं। क्या (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी ने कभी पलानीस्वामी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बताया है? वह सिर्फ राजग सरकार की बात करते हैं, एआईएडीएमके का नाम तक नहीं लेते। स्टालिन ने कहा, प्रधानमंत्री अक्सर यह दावा करते हैं कि द्रमुक ने अपने वादे पूरे नहीं किए हैं, जबकि मैं हर उपलब्धि को आंकड़ों के साथ समझाता हूं। हमारी योजनाओं के कई लाभार्थी नियमित रूप से मीडिया के माध्यम से अपने अनुभव साझा करते हैं। अगर प्रधानमंत्री, जो हमेशा दौरे पर रहते हैं, जनता से पूछते भी, तो वे द्रविड़ मॉडल की योजनाओं का एक-एक करके विवरण दे देते। या तो उनके पास तमिलनाडु को जानने का समय नहीं है, या फिर उन्हें इसे समझने में कोई दिलचस्पी नहीं है। द्रमुक प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध किया कि वह एक सप्ताह के लिए तमिलनाडु में रुकें और स्वयं देखें कि यह पार्टी किस प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है। स्टालिन ने कहा, अगर भाजपा और उसका चाटुकार गठबंधन सत्ता में आते हैं, तो उनकी बुराइयां हमारी कल्पना से परे होंगी। तमिलनाडु को तमिलनाडु ही रहना चाहिए। इसे उत्तर प्रदेश या मणिपुर की तरह हिंसा का देश नहीं बनना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अगर वे (राजग के दल) सत्ता में आते हैं, तो वे तमिलनाडु का नाम बदलकर दक्षिण प्रदेश करने में भी संकोच नहीं करेंगे।

स्टालिन ने भाजपा पर उप्र व मणिपुर की तरह तमिलनाडु में 'हिंसा की साजिश' रचने का आरोप लगाया

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उत्तर प्रदेश और मणिपुर की ''तरह'' तमिलनाडु में हिंसा भड़काने की साजिश रचने का आरोप लगाया और दावा किया कि इस साजिश को नाकाम कर दिया गया है। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए यहां सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की एक रैली को संबोधित करते हुए पार्टी अध्यक्ष स्टालिन ने तिरुचिरापल्ली क्षेत्र में अपनी सरकार द्वारा लागू योजनाओं का विवरण दिया। उन्होंने पंचपुर बस टर्मिनल, मिनी स्टेडियम, जल्लीकट्टू मैदान, मॉडल स्कूल और संयुक्त पेयजल योजनाओं जैसी पहलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के दोबारा सरकार बनाने के बाद, कामराज के नाम पर एक विशाल पुस्तकालय, एक टाइडल पार्क और एक ओलंपिक अकादमी का इस क्षेत्र में उद्घाटन किया जाएगा। स्टालिन ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में तिरुचिरापल्ली के लिए 26,066 करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूरी की गई हैं और इसीलिए मैं आपसे वोट मांगने आया हूं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले किए गए वादों को सफलतापूर्वक लागू किया, जिसमें बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा भी शामिल है। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा के लिए नौ लाख छात्रों को प्रति माह 1,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। इस वर्ष जनवरी में फसल पर्व पोंगल के अवसर पर सभी चावल राशन कार्ड धारकों को 3,000 रुपये की नकद सहायता दी गई।

उन्होंने फरवरी में 1.31 करोड़ महिला लाभार्थियों को 5,000 रुपये दिए जाने का भी उल्लेख किया, जिसमें 1,000 रुपये प्रति माह की सहायता तीन महीने अग्रिम रूप से और अतिरिक्त 2,000 रुपये की ग्रीष्मकालीन सहायता शामिल है। साथ ही, राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए सुनिश्चित पेंशन योजना (टीएपीएस) की भी घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सबसे बढ़कर तमिलनाडु में कोई जातीय दंगा नहीं हुआ, न ही भाजपा शासित राज्यों की तरह धार्मिक दंगे हुए हैं। उत्तर प्रदेश जैसी भीड़ हिंसा की घटनाएं भी यहां नहीं हैं। मणिपुर जैसी लगातार हिंसा भी नहीं है।'' उन्होंने दावा किया, ''हमने भाजपा द्वारा ऐसे माहौल पैदा करने की साजिशों को भी विफल किया है। हमारी सरकार के तहत शांतिपूर्ण वातावरण और कुशल मानव संसाधनों के कारण ही आज तमिलनाडु में निवेश आ रहा है। इस विकास को अगले स्तर तक ले जाना जरूरी है। इसके लिए मैंने द्रमुक का चुनावी घोषणापत्र एक स्पष्ट कार्ययोजना के रूप में जारी किया है।''

1952 के बाद पहली बार कोयंबटूर के चुनावी मैदान से वामपंथी दल गायब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास में 1952 के बाद कोयंबटूर जिले में विधानसभा चुनाव में वामपंथी दलों का कोई उम्मीदवार नहीं होगा। इससे स्वतंत्र भारत के पहले चुनावों से चली आ रही वामपंथी दलों की निरंतर चुनावी उपस्थिति का अंत हो जाएगा। यह अनुपस्थिति 2026 के चुनावों से पहले जिले के राजनीतिक स्वरूप में एक बड़ा बदलाव दर्शाती है। इस घटनाक्रम को राज्य में बदलती सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों और विकसित होते राजनीतिक समीकरणों के प्रतिबिंब के रूप में देखा जा रहा है। कभी कम्युनिस्ट पार्टियों का स्वाभाविक गढ़ माने जाने वाले कोयंबटूर में वर्षों से वामपंथी प्रभाव, विशेषकर संगठित श्रमिक आंदोलनों को बनाए रखने वाले घटक में लगातार गिरावट देखी गई है।

इस परिवर्तन के केंद्र में कपड़ा क्षेत्र का पतन है, जो कभी कोयंबटूर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ था। कोविड-19 महामारी के बाद से राष्ट्रीय वस्त्र निगम (एनटीसी) सहित प्रमुख मिलों के बंद होने से उन ट्रेड यूनियनों को कमजोर कर दिया गया है जो पारंपरिक रूप से इस क्षेत्र में वामपंथी दलों का समर्थन करती थीं। औद्योगिक श्रमिकों और श्रमिक संघों के नेटवर्क की घटती उपस्थिति के साथ सीपीआई और सीपीआई (एम) जैसी पार्टियों की चुनावी ताकत धीरे-धीरे कम होती जा रही है, जिससे जिले में स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने और सीटें जीतने की उनकी क्षमता घट रही है। सीपीआई के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि श्रमिक संघों की घटती ताकत का वामपंथी पार्टियों की चुनावी संभावनाओं पर सीधा असर पड़ा है। उन्होंने कहा, 1952 के पहले विधानसभा चुनावों से ही वामपंथी पार्टियां कोयंबटूर में लगातार स्वतंत्र रूप से या गठबंधन के हिस्से के रूप में चुनाव लड़ती रही हैं और प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करती रही हैं। श्रमिक संघों के कमजोर होने से यह स्थिति बदल गई है। ऐतिहासिक रूप से सीपीआई (एम) को कोयंबटूर पूर्व जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता मिली है, जहां उसने पांच सीटें जीतीं, जबकि पेरूर और सिंगनल्लूर में उसे दो-दो सीटें मिलीं। दूसरी ओर सीपीआई ने 1980 और 2011 में वालपराई विधानसभा सीट जीती थी। संसदीय स्तर पर सीपीआई ने कोयंबटूर लोकसभा क्षेत्र में पांच बार जीत हासिल की, जबकि सीपीआई (एम) ने इसे तीन बार जीता। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना ङ्क्ङ्कहै कि 2026 में वामपंथी उम्मीदवारों की अनुपस्थिति का मुख्य कारण डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में सीटों के बंटवारे की व्यवस्था है।

खबरों के मुताबिक, सीपीआई और सीपीआई (एम) दोनों ने वालपराई और सिंगनल्लूर जैसी सीटों पर चुनाव लड़ने की कोशिश की थी, लेकिन अंततः उन्हें सीटेंममममम नहीं मिलीं। जिले में सीधे चुनाव न लड़ने के बावजूद, वामपंथी दलों ने अपना ध्यान डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन की संभावनाओं को मजबूत करने पर केंद्रित कर लिया है। नेताओं ने संकेत दिया है कि सभी निर्वाचन क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं को संगठित करने और जमीनी स्तर पर प्रचार कार्य पहले से ही चल रहा है।

भाजपा ने द्रमुक के खिलाफ आरोप लगाते हुए आरोपपत्र जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भाजपा के तमिलनाडु चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने एक 'आरोपपत्र' जारी किया है जिसमें द्रमुक सरकार पर व्यवस्थित भ्रष्टाचार, वित्तीय कुप्रबंधन और स्पष्ट हिंदू विरोधी पूर्वाग्रह रखने का आरोप लगाया गया है। भाजपा ने राज्य सरकार पर अवैध रेत खनन और विभिन्न विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। 31 मार्च को चेन्नई स्थित भाजपा के राज्य मुख्यालय में जारी आरोपपत्र में द्रमुक शासन के दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है, जिनमें राज्य में शराब विपणन कार्यों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गड़बड़ी, राजमार्ग निविदाओं में हजारों करोड़ रुपये की गड़बड़ी और व्यापक नगरपालिका घोटाले शामिल हैं। आरोपपत्र में दावा किया गया है कि राज्य की वित्तीय स्थिति पूरी तरह से चरमरा गई है और कुल ऋण का बोझ 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

आरोपपत्र में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के प्रशासन पर व्यवस्थागत भ्रष्टाचार और वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया गया है। चुनावी वादों को चुनौती देते हुए भाजपा के दस्तावेज़ में दावा किया गया है कि सरकार अपने 70 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे करने में विफल रही है। इसमें आरोप लगाया गया कि प्रशासन ने ईंधन की कीमतों में कमी लाने, खाना पकाने की गैस पर सब्सिडी देने और नीट परीक्षा रद्द करने की प्रतिबद्धताओं को त्याग दिया है। इसके अलावा, इसने सरकार पर पिछली सरकार के दौरान शुरू की गई लोकप्रिय कल्याणकारी योजनाओं, जैसे विवाह के लिए सोना और रियायती दोपहिया वाहन योजना को बंद करके महिलाओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों की सूची का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सत्तारूढ़ गठबंधन को हिंदू विरोधी विचारधारा के लिए निशाना बनाता है। इसमें प्रमुख नेताओं के हवाले से दिए गए बयानों को संकलित किया गया है, जिसमें बहुसंख्यक समुदाय की आस्था का अपमान करने के लिए एक निरंतर अभियान चलाने का दावा किया गया है, साथ ही सनातन धर्म और हिंदू देवी-देवताओं के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणियों का भी उल्लेख किया गया है। इसके अतिरिक्त, आरोपपत्र में सामाजिक न्याय में गंभीर विफलताओं का आरोप लगाया गया है, जिसमें अनुसूचित जातियों के खिलाफ अपराधों में उल्लेखनीय वृद्धि का हवाला दिया गया है और वेंगाइवयाल घटना (दिसंबर 2022 में, वेंगाइवयाल के निवासियों ने आरोप लगाया था कि दलित मोहल्ले को पानी की आपूर्ति करने वाले ओवरहेड पेयजल टैंक में मानव मल फेंका गया था) की विलंबित जांच को उजागर किया गया है, ताकि यह दावा किया जा सके कि प्रशासन राज्य में हाशिए पर पड़े समुदायों को न्याय दिलाने में विफल रहा है।

हम भाजपा की 'साजिशों' को विफल करेंगे, 'तमिलनाडु टीम' जीतेगी : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपत्तूर। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'षड्यंत्र'' विफल हो जाएंगे और 'तमिलनाडु टीम' 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में जीत सुनिश्चित करेगी। स्टालिन ने तिरुपत्तूर जिले के नटरामपल्ली और वानीयमबाड़ी में पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए कहा कि भाजपा जानती है कि वह चुनाव में जीत नहीं सकती है और इसलिए वह चुनावों के माध्यम से राज्य में प्रवेश करने की योजना बना रही है।

उदयनिधि ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत का विश्वास जताते हुए कहा, हम 2026 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की उन साजिशों को नाकाम करेंगे जो पुराने और नए गुलामों के जरिए दिल्ली से तमिलनाडु पर शासन करना चाहती हैं। आइए हम अथक परिश्रम करें और सुनिश्चित करें कि 'तमिलनाडु टीम' जीते और हम द्रविड़ मॉडल 2.0 शासन की शुरुआत करे। उन्होंने द्रमुक उम्मीदवारों जोलारपेट विधानसभा क्षेत्र से कविता धंडापानी और तिरुपत्तूर विधानसभा सीट से नल्लाथंबी के लिए वोट मांगते हुए कहा कि अन्ना द्रमुक महासचिव ई. के पलानीस्वामी को इस बार भी परास्त किया जाना चाहिए, जिन्हें दस बार चुनावी हार का सामना करना पड़ा है। द्रमुक की युवा इकाई के सचिव ने चुनावी वादों पर प्रकाश डाला, जिनमें परिवारों की महिला मुखियाओं के लिए मासिक अनुदान को दोगुना करके 2,000 रुपये करना, गृहिणियों को 8,000 रुपये का एकमुश्त कूपन प्रदान करना और मुख्यमंत्री नाश्ता योजना का आठवीं कक्षा तक विस्तार करना शामिल है।

पलानीस्वामी की तरह मुझे धमकियों से झुकाया नहीं जा सकता : उदयनिधि स्टालिन

तिरुपत्तूर। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बुधवार को तंज कसते हुए कहा कि उनके पास अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी जैसा राजनीतिक अनुभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पलानीस्वामी दिल्ली में कार बदलते रहे और लौटकर अपना चेहरा रूमाल से छुपा लिया। उदयनिधि ने कहा कि उन्हें हमेशा लोगों के साथ सम्मानपूर्वक खड़े रहने का अनुभव रहा है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा शाखा के 48 वर्षीय सचिव ने अंबूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, पलानीस्वामी कहते हैं कि उनका राजनीतिक अनुभव मेरी उम्र के बराबर है। मैं उनसे सहमत हूं, मेरे पास उनके जितना अनुभव नहीं है। मेरा अनुभव यह है कि मैं धमकियों या संघियों के आगे नहीं झुकता। मेरा अनुभव यही है कि आत्मसम्मान के साथ और जनता के साथ खड़े रहना चाहिए। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री की वफादारी पर सवाल उठाते हुए कहा, उनका अनुभव क्या है? पहले वे दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता के चरणों में गिरे, फिर (उनकी पूर्व करीबी सहयोगी) वी.के. शशिकला के, अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के। उदयनिधि ने दावा किया, मैं अमित शाह से मिलने के लिए चुपके से दिल्ली नहीं गया और न ही मैंने चार गाड़ियां बदलीं। न ही मैंने शाह के घर से निकलते समय अपना चेहरा रूमाल से छिपाया। मुझे ऐसा कोई अनुभव नहीं है। मेरा अनुभव तो तमिलनाडु के अधिकारों को दिल्ली के समक्ष रखने का है।

अन्नाद्रमुक का पूरी तरह सफाया करो, तमिलनाडु में भाजपा को जीतने मत दो : उदयनिधि स्टालिन

जोलारपेट्टई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बुधवार को जनता से आगामी विधानसभा चुनाव में विपक्षी अन्नाद्रमुक को करारी शिकस्त देने और उसकी सहयोगी भाजपा को चुनाव नहीं जीतने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ''फासीवादी भाजपा'' को तमिलनाडु में प्रवेश करने के लिए जनता का समर्थन प्राप्त नहीं है और भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती। चेन्नई से लगभग 215 किलोमीटर दूर जोलारपेट्टई में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के लिए प्रचार करते हुए पार्टी की युवा इकाई के सचिव ने लोगों से राज्य में अन्नाद्रमुक को पूरी तरह से हराने का आग्रह किया। उदयनिधि ने कहा, मैं, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की तरह पिछले दो दिन से पूरे राज्य में चुनाव प्रचार कर रहा हूं। मुझे अभी अपने निर्वाचन क्षेत्र में जाकर उम्मीदवार के रूप में अपना चुनाव अभियान शुरू करना है। इसलिए 23 अप्रैल को होने वाले चुनावों में द्रमुक और उसके सहयोगियों की जीत सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री और मेरे लिए भी एक बड़ी जीत के समान है। उन्होंने कहा कि द्रमुक जनता का सामना करने के लिए इसलिए तैयार है क्योंकि उसने 2021 के विधानसभा चुनाव में किए गए अपने वादों को पूरा किया है और पार्टी को लगातार दूसरी बार सत्ता में आने पर और अधिक काम करने का भरोसा है।

टीवीके ने विजय की सुरक्षा में चूक का आरोप लगाया, अमित शाह से उचित सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने बुधवार को आरोप लगाया कि पार्टी प्रमुख विजय को 30 मार्च को नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद पेरम्बूर में अपने चुनाव प्रचार के दौरान अपर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराई गई। विजय को 'वाइ' श्रेणी सुरक्षा प्राप्त है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे एक पत्र में टीवीके के संयुक्त महासचिव सी.टी.आर. निर्मल कुमार ने यहां पेरम्बूर में चुनाव प्रचार के दौरान विजय की सुरक्षा में कथित चूक पर चिंता व्यक्त की और इस मुद्दे पर मंत्री का ''तत्काल ध्यान'' चाहा। टीवीके के अनुसार, उन्होंने शाह से अनुरोध किया कि वह राज्य में विजय के प्रचार अभियान और जनसभाओं के दौरान उन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करवाने और यातायात का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किए जाने के लिए पुलिस को निर्देश दें। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को होंगे।

तिरुचिरापल्ली और बेंगलूरु के बीच समर स्पेशल ट्रेन

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे ने गर्मियों के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए तिरुचिरापल्ली और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु के बीच चार फेरों वाली स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। ट्रेन संख्या 06007 तिरुचिरापल्ली से 7, 14, 21 और 28 अप्रैल मंगलवार को सुबह 05:30 बजे रवाना होगी और उसी दिन दोपहर 01:30 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन संख्या 06008 एसएमवीटी बेंगलूरु से 7, 14, 21 और 28 अप्रैल मंगलवार को दोपहर 03:00 बजे रवाना होगी और उसी दिन रात 10:30 बजे तिरुचिरापल्ली जंक्शन पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में करूर, नामक्कल, सेलम, बंगारपेट और कृष्णराजपुरम स्टेशनों पर रुकेगी। इस स्पेशल ट्रेन में दो एसी चेयर कार कोच, आठ सेकंड क्लास चेयर कार कोच, छह सेकंड क्लास अंत्योदय कोच, दिव्यांगजनों के लिए अनुकूल डिब्बे वाला एक सेकंड क्लास लगेज-कम-ब्रेक वैन, और एक ब्रेक, लगेज और जनरेटर कार सहित कुल 18 कोच होंगे।

वीएस इलानथिराई ने बीएसएनएल, तमिलनाडु के मुख्य महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय दूरसंचार सेवाओं के उच्च प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारी श्री वी.एस. इलंथिराई (1992 बैच) ने हाल ही में बीएसएनएल, तमिलनाडु सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया है। उन्होंने कोयंबटूर के गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और राजस्थान के पिलानी स्थित बीआईटीएस से एमएस (सॉफ्टवेयर सिस्टम) में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत हैदराबाद स्थित इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) से की और वे ईसीआईएल हैदराबाद में अमेरिका के शिकागो से लेजर ट्रिमिंग रोबोटिक्स मशीन स्थापित करने वाले पहले इंजीनियर थे।

उन्होंने इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज (आईटीआई), बैंगलोर में भी अपनी सेवाएं दी हैं और स्विचिंग, ट्रांसमिशन, एक्सेस और सब्सक्राइबर प्रेमिसेस इक्विपमेंट सहित सभी दूरसंचार उत्पादों और संपूर्ण समाधानों में अपना योगदान दिया है। उन्होंने देश के कई हिस्सों में दूरसंचार विभाग के लिए फ्रेंच टेलीकॉम (ए10इ) उत्पादों की स्थापना और कमीशनिंग की विभिन्न परियोजनाओं का नेतृत्व और प्रबंधन भी किया है। इसके बाद, उन्होंने यूपीएससी द्वारा आयोजित भारतीय इंजीनियरिंग सेवा में प्रवेश लिया और दूरसंचार विभाग में भारतीय दूरसंचार सेवा के प्रथम श्रेणी के अधिकारी बने तथा मुंबई और चेन्नई में कई प्रमुख परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने फ्रांस की ओसीबी 283 अल्काटेल तकनीक, स्वीडन की एक्स 10 एरिक्सन, जर्मनी की ईडब्ल्यूएसडी सीमेंस और अमेरिका की 5ईएसएस एटी एंड टी जैसे दूरसंचार एक्सचेंजों को सफलतापूर्वक स्थापित और चालू किया। इसके अलावा, उन्होंने चेन्नई में उप महाप्रबंधक के रूप में नेटवर्क योजना, संचालन, ग्राहक सेवा और बिलिंग विभाग में काम किया। भारत सरकार द्वारा दूरसंचार नेटवर्क के निजीकरण के समय उन्होंने एयरटेल, रिलायंस, टाटा और वोडाफोन आदि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए नेटवर्किंग समन्वयक के रूप में कार्य किया।

TRIBUTES TO LEGEND

SHRI. JAIGOPAL GARODIA
31.3.1931 - 02.4.2010
PHILANTHROPIC
FOUNDER CHAIRMAN OF
JAIGOPAL GARODIA VIVEKANANDA
VIDYALAYA TRUST &
JAIGOPAL GARODIA FOUNDATION
A VISIONARY, A PATRIOT, A PIONEER
IN EDUCATION DEDICATED HIS LIFE IN SERVICE
ALWAYS LIVES IN OUR HEARTS ;
GUIDING AND BLESSING US
REVERENTIAL REMEMBRANCE BY
MANAGEMENT, STAFF AND MILLIONS
OF STUDENTS AND BENEFICIARIES OF
JAIGOPAL GARODIA
GROUP OF INSTITUTIONS

राजस्थान में कई स्थानों पर आंधी आई, कई जगहों पर बारिश हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण बीते चौबीस घंटे में कई स्थानों पर आंधी आई व कई जगहों पर बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार एक नया पश्चिमी विक्षोभ इस सप्ताह सक्रिय होगा जिससे कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र के अनुसार बुधवार सुबह तक की अवधि के दौरान पिछले 24 घंटे में राज्य के कुछ भाग में आंधी-बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक 34 मिलीमीटर बारिश जयपुर के सांभर में हुई। इस अवधि में कोटा में सर्वाधिक 37.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा तथा सिरोही में सबसे कम 14.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

मौसम केंद्र के अनुसार आज बुधवार को राज्य के पूर्वी व उत्तरी भाग में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने व शेष भाग में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। वहीं, दो अप्रैल को दोपहर बाद जैसलमेर, बाड़मेर, फलोदी व बीकानेर संभाग के जिलों व आसपास के क्षेत्र में आंधी बारिश की गतिविधियों में पुनः बढ़ोतरी हो सकती है। केंद्र के अनुसार एक और पश्चिमी विक्षोभ का सबसे अधिक प्रभाव तीन से चार अप्रैल को रहेगा। इससे जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भाग में आंधी आने व बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। इसी तरह, सात से आठ अप्रैल को एक और पश्चिमी विक्षोभ राज्य के कुछ भाग में सक्रिय रहेगा।

राजस्थान में 65 आईएएस के तबादले, जितेंद्र सोनी बने मुख्यमंत्री के सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 65 अधिकारियों के तबादले किए हैं जिनमें 25 जिलाधिकारी भी शामिल हैं। जयपुर के जिलाधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी का तबादला मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री के सचिव के पद पर किया गया है। वह सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव भी होंगे। कार्मिक विभाग द्वारा मंगलवार देर रात जारी आदेश के तहत, वित्त (बजट) विभाग के शासन सचिव राजन विशाल को जल जीवन मिशन के मिशन निदेशक के पद पर तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री के विशिष्ट सचिव संदेश नायक को जयपुर का जिलाधिकारी बनाया गया। बाड़मेर की जिलाधिकारी टीना डाबी का तबादला टोंक में जिलाधिकारी के पद पर किया गया।

जिन जिलों में जिलाधिकारी बदले गए हैं उनमें जैसलमेर, जोधपुर, उदयपुर, बाड़मेर, प्रतापगढ़, सीकर, फलोदी, बारां, बीकानेर, गंगानगर, चित्तौड़गढ़, पाली, सिरोही, बूंदी, डीडवाना-कुचामन, नागौर, करौली, दौसा, खैरथल-तिजारा, डूंगरपुर, सलूंबर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ शामिल है।

हरी झंडी दिखाकर बसों का शुभारम्भ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने बुधवार को राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम सिरोही आगार द्वारा संचालित नवीन 5 वाहन सेवाओं का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। सिरोही आगार परिक्षेत्र के निवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न संगठनों द्वारा निरन्तर व्यापारिक एवं धार्मिक महत्व के स्थलों पर वाहन संचालन के लिए लगातार मांग की जा रही थी।

आगार ने वाहनों की आवश्यकताओं को देखते हुए मुख्यालय स्तर से आगार को 7 सेमी डिलक्स स्टार लाइन एवं 5 सुपर एक्सप्रेस श्रेणी की कुल 12 अनुबंधित वाहन आवंटित किए गए। जिसमें से सुपर एक्सप्रेस श्रेणी की कुल 5 बसे आगार को प्राप्त हो गई। इन बसों का ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी तथा सिरोही जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित ने हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया।

सरकार शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए तत्परता से कर रही काम : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों में संस्कार के बीज बोते हैं। शिक्षक विद्यार्थी के जीवन में विद्या दान देकर उन्हें मजबूत बनाते हैं और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि आदर्श विद्या मंदिर संस्थान केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि समाज में निस्वार्थ सेवा, सहयोग और करुणा भी भावना का विस्तार कर रही है। बच्चों में शिक्षा के साथ यह विद्यालय नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों पर बल देता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की अवधारणा पर कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं।

शर्मा बुधवार को आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय, राजापार्क में बहुउद्देशीय सभागार के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नवीन सभागार के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति, शिक्षकों और भामाशाहों को बधाई देते हुए कहा कि यह सभागार उन हजारों सपनों की नींव पर खड़ा हुआ है, जो इस विद्यालय के शिक्षकों, अभिभावकों और दानदाताओं ने मिलकर बुने हैं।

उन्होंने इन ज्ञान केन्द्रों के विकास में सभी लोगों से अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों में करुणा का भाव विकसित करना विद्यालयों का दायित्व है, जिससे उनमें वसुधैव कुटुम्बकम की भावना फलीभूत हो। उन्होंने कहा कि जिस देश के बच्चे अपनी विरासत को जानते हैं, उस देश के विकास को कोई भी नहीं रोक सकता।

आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय धार्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का काम करते हैं। साथ ही, शांति, सद्भाव और मानवता का संदेश यहां से निकलकर पूरे समाज में फैला है। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय भविष्य की पीढ़ियों को अध्यात्म और भारतीय ज्ञान की धरोहर से परिचित कराते हैं, जो हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्षों में संजोई है।

अनुपालना में कमी और विनियमन में शिथिलता - द्वितीय चरण की समीक्षा बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और सुशासन के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में 'अनुपालन में कमी और विनियमन में शिथिलता' - चरण2 की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक शासन सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों द्वारा अनुपालनों को सरल बनाने, डिजिटल समाधानों को अपनाने की प्रगति पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। 'अनुपालन में कमी और विनियमन में शिथिलता'- चरण2 की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने प्राथमिकता वाले 28 क्षेत्रों में अनुमोदित कार्ययोजना अनुसार समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा 'अनुपालन में कमी और विनियमन में शिथिलता'- चरण2 में कुल 28 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों (झीळीळीं -शिरी) की पहचान की गई है। चरण-। (झहरीश ख) में राजस्थान अग्रणी राज्यों में शामिल रहा है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने संबंधित विभागों को को इस उपलब्धि के लिए सराहा तथा चरण-2 में भी इसी ऊर्जा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित भी किया।

वी. श्रीनिवास ने राजस्व एवं पर्यावरण विभाग को उद्योगों को राहत देने के लिए 'डीग्रेडेड फॉरेस्ट' और गैर-वन भूमि का 'लैंड बैंक' तैयार करने व तय समय सीमा में भूमि की पहचान करने एवं जानकारी जिसे परिवेश पोर्टल पर अपलोड करने के लिए कहा। साथ ही भू-रूपान्तरण नियमों के सरलीकरण एवं विधिक माप विज्ञान अन्तर्गत लाइसेंस प्रक्रिया के शीघ्र सरलीकरण हेतु निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान पर्यटकों के लिए गुणवत्तापूर्ण और किफायती आवास सुविधा होमस्टे (कोर्शींरू), पंजीकरण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र , निजी स्कूलों और विश्वविद्यालयों के लिए भूमि संबंधी आवश्यकताओं और बुनियादी ढांचे के मानदंडों, स्वतः अपील प्रणाली, सेक्टर वाइज रिपोजिटरी, अग्नि सुरक्षा नियमों एवं शॉप्स एंड कॉमर्शियल प्रतिष्ठानों के संचालन आदि विषयों पर सार्थक चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

बैठक के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग एवं वाणिज्य) शिखर अग्रवाल सहित राजस्व, शिक्षा, ऊर्जा और विधि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महिलाओं से जुड़े अपराधों का 60 दिन में निस्तारण सुनिश्चित करें : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने महिलाओं से जुड़े अपराधों का 60 दिन में निस्तारण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक एफआईआर की स्थिति दो माह में अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेडलीपीआर (मेडिको लीगल एग्जामिनेशन एंड पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट) प्रशिक्षण आयोजित करने, न्याय श्रुति को शीघ्र ऑनबोर्ड करने, जिलों में लोक अभियोजकों की नियमित बैठकें सुनिश्चित करने तथा सिविल राइट्स की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जीरो एफआईआर, ई-एफआईआर एवं सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) के व्यापक उपयोग से तकनीक आधारित पुलिसिंग को सुदृढ़ करते हुए जांच प्रक्रिया को और अधिक गति दी जाए।

मुख्य सचिव बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में नई आपराधिक विधियों के क्रियान्वयन एवं स्मार्ट पुलिसिंग पहलों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने नागरिकों को एसएमएस अलर्ट, ऑनलाइन ट्रैकिंग एवं ई-समन जैसी सुविधाएं का व्यापक उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुसंधान अधिकारियों को ई-साक्ष्य के उपयोग हेतु नियमित प्रशिक्षण देने तथा आपराधिक न्याय प्रणाली से जुड़े सभी स्तंभों- पुलिस, जेल, अभियोजन, फोरेंसिक एवं न्यायिक अधिकारियों के बीच समन्वय को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने न्यायालयों एवं कारागृहों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर सुनवाई प्रक्रिया को अधिक सुगम एवं त्वरित बनाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से तकनीकी प्लेटफॉर्म्स का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें, ताकि जांच की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता में निरंतर सुधार बना रहे। उन्होंने गंभीर मामलों में फोरेंसिक जांच को प्राथमिकता देने तथा घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अजय पाल लाम्बा, पुलिस महानिरीक्षक (राज्य अपराध अभिलेख ब्यूर - एससीआरबी) ने बताया गया कि फोरेंसिक, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं डिजिटल प्रणालियों के एकीकरण से मामलों के निस्तारण में सुधार दर्ज हुआ है। राज्य में आपराधिक मामलों के पंजीकरण, जांच एवं निस्तारण में निरंतर प्रगति हो रही है तथा निर्धारित समयसीमा में मामलों के निस्तारण की दर में वृद्धि से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आई है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग भास्कर आत्माराम सांवत; महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा; महानिदेशक जेल अशोक कुमार राठौड़; प्रमुख शासन सचिव विधि एवं विधिक कार्य विभाग; राघवेंद्र काछवाल; तिरूपति कुमार गुप्ता, शासन सचिव, गृह (विधि) एवं निदेशक अभियोजन सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, वित्त विभाग, गृह विभाग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

परिवहन विभाग में 80% तक पहुंची संतुष्टि, और बेहतर करने के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। परिवहन विभाग के प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर विभागीय प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का त्वरित, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। देथा ने जिला स्तर पर दर्ज शिकायतों की स्थिति पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी स्वयं परिवादियों से संवाद स्थापित करें। जिन जिलों में निस्तारण प्रतिशत, समाधान पर संतुष्टि का स्तर और औसत निस्तारण समय राज्य स्तर से कमजोर है, वहां तत्काल सुधार किया जाए। उन्होंने बैठक के दौरान कुछ जिलों के अधिकारियों से सीधे बातचीत भी की और कम प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में सुधार के निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव देथा ने बस स्टैंड पर साफ-सफाई, मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्राइवर और कंडक्टर के व्यवहार संबंधी शिकायतों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने उन मामलों की भी वास्तविक स्थिति जानी, जिनमें पोर्टल पर संतुष्टि दर्ज की जा चुकी थी। उन्होंने परिवादियों से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया।

देथा ने कहा कि विभाग की आवश्यक सेवाओं से जुड़े मामलों में कोई भी शिकायत लंबित नहीं रहनी चाहिए। प्रत्येक परिवादी की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और निस्तारण प्रतिशत के साथ-साथ संतुष्टि प्रतिशत में भी निरंतर सुधार हो। उन्होंने निर्देश दिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (-ख) के माध्यम से जिलों के अधिकारियों की प्रदर्शन सूची तैयार की जाए, ताकि कम प्रदर्शन करने वालों की पहचान कर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों के त्वरित निस्तारण को करेंगे ठोस उपाय

जयपुर। राजस्व मण्डल के नव नियुक्त अध्यक्ष अजिताभ शर्मा ने राजस्व मण्डल से लेकर सभी अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण को लेकर बेहतरीन कार्ययोजना की क्रियान्विति पर जोर दिया । उन्होंने बुधवार को राजस्व मंडल प्रशासन एवं सभी मंडल सदस्यों के साथ बैठक में मंडल के कामकाज की विस्तृत समीक्षा करते हुए और बेहतरीन ढंग से कार्य निष्पादन करने के निर्देश दिये। उन्होंने मंडल एवं अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों का अधिक गुणवत्ता एवं शीघ्रता से निस्तारण की दिशा में कारगर कदम उठाये जाने पर जोर दिया। उन्होंने इसके लिये मंडल स्तर से प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राज्य के विविध स्तरीय राजस्व न्यायालयों की सेवाओं को और बेहतर बनाने के प्रभावी प्रयास किये जायेंगे ।

अशोक गहलोत ने एसएमएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के उद्घाटन में देरी पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने अपनी डिजिटल सीरीज 'इंतजार शास्त्र' की ताजा कड़ी में जयपुर के एसएमएस अस्पताल में कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के उद्घाटन में हो रही देरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए भारतीय जनता पार्टी सरकार को संबोधित करते हुए गहलोत ने पूछा कि क्या निजी अस्पतालों को फायदा पहुंचाने के लिए राजस्थान के सरकारी अस्पतालों को सुनियोजित तरीके से कमजोर किया जा रहा है? इस प्रोजेक्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 50 करोड़ रुपए की लागत से बना कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट बनकर तैयार है, लेकिन अभी तक इसका उद्घाटन नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि क्या भाजपा सरकार के पास एक तैयार इंस्टीट्यूट को खोलने का समय नहीं है? क्या राजनीतिक बदले की भावना लोगों की जान की कीमत पर भारी पड़ रही है? सरकार को लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करना बंद कर देना चाहिए।

पोस्ट के साथ शेयर किए गए एक वीडियो में इस सुविधा केंद्र की तस्वीरें दिखाई गईं और यह दावा किया गया कि इस देरी के कारण जनता को बेहद जरूरी सेवाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। इसमें बताया गया कि कोविड-19 के बाद दिल से जुड़ी बीमारियां बढ़ गई हैं, और इस संस्थान को एक ही छत के नीचे संपूर्ण इलाज मुहैया कराने के लिए डिजाइन किया गया था। वीडियो के अनुसार, इस सुविधा केंद्र में 250 बेड, पांच मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और रोबोटिक एंजियोप्लास्टी जैसी आधुनिक सेवाएं शामिल हैं। यह प्रोजेक्ट अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था और इसे जनवरी 2025 तक पूरा किया जाना था। हालांकि, गहलोत ने आरोप लगाया कि फिनिशिंग का काम अभी भी बाकी है, और निर्माण सामग्री परिसर के बाहर पड़ी हुई है। इस संस्थान के चालू होने की समय-सीमा अभी भी स्पष्ट नहीं है।

कचरे की राजनीति को हटाया गया : योगी ने कूड़ा प्रबंधन कार्यक्रम में सपा पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में पर्यावरण अनुकूल कचरा प्रबंधन वाहनों के एक बेड़े को हरी झंडी दिखाते हुए समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला और कहा कि उनकी सरकार ने राज्य से ''कचरे की राजनीति को हटा दिया है।'' मुख्यमंत्री लखनऊ में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से लगभग 250 इलेक्ट्रिक और सीएनजी से चलने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे।

आदित्यनाथ ने कहा, ''हमने और उत्तर प्रदेश के लोगों ने कचरे की राजनीति को उखाड़ फेंका है। पहले, शासन और सोच दोनों गंदगी से भरे हुए थे, जिससे गंदगी और बीमारियां फैलती थीं।'' उन्होंने कहा कि 2017 से पहले पिछली सरकारों के कामकाज के कारण घर-घर कचरा उठाने जैसी प्रभावी कचरा संग्रहण प्रणाली संभव नहीं थी। उन्होंने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए कहा, ''पहले सत्ता में रहने वाले लोग खुद गंदगी में डूबे हुए थे। उनके कार्य और सोच उसी को प्रतिबिंबित करते थे, जिसके परिणामस्वरूप इंसेफ्लाइटिस, डेंगू, मलेरिया और फाइलेरिया जैसी बीमारियां फैल गईं।'' मुख्यमंत्री ने स्वच्छता मानकों में सुधार के लिए डबल इंजन सरकार को श्रेय दिया और कहा कि लखनऊ अब पिछले नौ वर्षों में स्वच्छता रैंकिंग में देश के शीर्ष तीन शहरों में शामिल हो गया है। आदित्यनाथ ने कहा कि नए इलेक्ट्रिक वाहन कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करेंगे और बेहतर अपशिष्ट निपटान प्रणाली सुनिश्चित करते हुए ''नेट जीरो'' लक्ष्य प्राप्त करने में योगदान देंगे। उन्होंने पिछली सरकारों की तुलना में मौजूदा स्थिति की तुलना करते हुए शहरी बुनियादी ढांचे में बदलाव पर भी प्रकाश डाला।

झारखंड: प्रेम त्रिकोण में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

गुमला/भाषा। झारखंड के गुमला जिले में एक संदिग्ध प्रेम त्रिकोण के सिलसिले में 45 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना सोमवार को चैनपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत छिछवानी गांव में घटी जब कामिल टोप्पो ने उस व्यक्ति पर हमला किया। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान राजेंद्र कुमार मिंज के रूप में हुई है।

गुमला एसपी हारिस बिन ज़मान ने कहा, आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वह फरार है। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि मिंज की हत्या किसी प्रेम प्रसंग के कारण हुई है। हालांकि, मामले की गहन जांच की जा रही है। यह घटना तब घटी जब मिंज अपनी बेटी के साथ खेत से घर लौट रहा था। ग्रामीणों का आरोप है कि मृतक का किसी महिला के साथ विवाहेत्तर संबंध था और टोप्पो का भी उसी महिला के साथ प्रेम संबंध था।

तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने मोदी सरकार को लोगों को चूस लेने का लगाया आरोप

सीतलकुची/भाषा। वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को दावा किया कि जहां ममता बनर्जी सरकार लोगों को राहत प्रदान कर रहा है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाला केंद्र 'उन्हें चूस रहा है।' तृणमूल सांसद बनर्जी ने बांग्लादेश सीमा के पास सीतलकुची में चुनावी रैली को संबोधित करते आरोप लगाया कि सब्जियों और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने लोगों को गंभीर संकट में डाल दिया है।

बनर्जी ने कहा, ''एक तरफ मोदी जनता को चूस रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ममता बनर्जी उन्हें राहत प्रदान कर रही हैं।'' पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक तेल मूल्यों में उछाल के अनुरूप, वाणिज्यिक एलपीजी की दरों में 195.50 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई। तृणमूल नेता बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र द्वारा विभिन्न केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए धनराशि जारी नहीं किए जाने के बावजूद, ममता बनर्जी सरकार आवास, रोजगार गारंटी कार्यक्रमों, सड़कों और जल आपूर्ति परियोजनाओं के लिए अपने संसाधनों का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा, ''मैंने सुना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच अप्रैल को कूच बिहार आएंगे। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वह एक श्वेत पत्र जारी करें जिसमें यह बताया जाए कि क्या जिले से एक भी व्यक्ति को केंद्र की आवास योजना के तहत धनराशि प्राप्त हुई है।'' उन्होंने कहा कि अगर मोदी एक श्वेत पत्र जारी करते हैं जिसमें यह कहा गया हो कि उन्होंने 100 दिन की रोजगार गारंटी योजना के तहत किसी भी लाभार्थी को दस पैसे भी दिए हैं, तो वह राजनीतिक मैदान छोड़ देंगे। उन्होंने सीतलकुची के लोगों से भाजपा को वोट न देने का आह्वान करते हुए कहा कि 2021 में मतदान के दिन केंद्रीय बलों की गोलीबारी में कई लोग मारे गए थे।

मोदी सरकार ने सामरिक और आर्थिक नीति को तहस-नहस कर दिया : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों तथा कई अन्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने देश की सामरिक और आर्थिक नीति को तहस-नहस कर दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि भाजपा नेतृत्व का पूरा ध्यान जनता को लूटने और ''आपदा में डाका डालने'' पर केंद्रित है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण दुनिया भर में तेल की कीमतों में उछाल के बीच वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में बुधवार को 195.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, दिल्ली में 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 2,078.50 रुपए हो गई है। विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) या विमान ईंधन की कीमत को भी बढ़ाकर रिकॉर्ड 2.07 लाख रुपए प्रति किलोलीटर से अधिक कर दिया गया है। हालांकि, घरेलू विमानन कंपनियों के लिए केवल 8.5 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार ने देश की सामरिक और आर्थिक नीति को तहस-नहस कर दिया है, जिसका सीधा ख़ामियाज़ा 140 करोड़ भारतीयों को उठाना पड़ रहा है। आज से रोजमर्रा की कई ज़रूरी चीज़ों के दाम बढ़ेंगे।'' उन्होंने कहा, ''वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम आसमान पर हैं और ज़मीन पर भारी क़िल्लत है। ढाबे की चाय से लेकर, मध्याह्न भोजन पर बुरा असर हुआ है। एयर टरबाइन इंधन महंगा हो गया है, हवाई चप्पल से हवाई यात्रा हुई हवा-हवाई। सरकार ने मूल्य सीमा को भी हटाया।'' खरगे ने यह दावा भी किया कि 900 से अधिक ज़रूरी दवाइयां महंगी हुईं हैं तथा इलाज का ख़र्च और बढ़ गया है। खरगे ने कई अन्य वस्तुओं एवं सेवाओं के दाम में इजाफे का उल्लेख करते हुए कहा, ''जब देश की आम जनता, हमारे किसान और मज़दूर व एमएसएमई उद्योग रियायत की आशा में हैं, तब उनकी घोर अनदेखी कर, भाजपा नेतृत्व का पूरा ध्यान जनता को लूटने और आपदा में डाका डालने पर केंद्रित है।''

असम की भाजपा सरकार जनता को धोखा दे रही है, चुनावी वादे पूरे नहीं किए गए : पवन खेड़ा

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को असम में भाजपा सरकार पर जनता को धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनावी वादे एक दशक से अधिक समय से पूरे नहीं हुए हैं।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं के परिवारों की संपत्ति कई गुना बढ़ गई हैं। खेड़ा ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी धर्म, भाषा, भोजन और कपड़ों के नाम पर लोगों का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए हर तरह की हथकंडे अपनाती है। भाजपा प्रशासन पर हमला करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के प्रमुख ने लोकप्रिय हिंदी फिल्म 'बंटी और बबली' का ज़िक्र किया, जो दो काल्पनिक ठगों की कहानी पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, राज्य में 'बंटी और बबली' सरकार चल रही है। इस फिल्म का पहला भाग अभी राज्य में चल रहा है, और जनता को मतदान करके इसके दूसरे भाग की रिलीज को रोकना होगा।

यह फिल्म पहली बार 2005 में रिलीज हुई थी, और इसका सीक्वल 2021 में सिनेमाघरों में आया। सरकार पर व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए खेड़ा ने कहा, चुनावी शपथपत्र में दी गई जानकारी के आधार पर हमने भाजपा के मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति में वृद्धि का एक पैटर्न देखा है। यह पाया गया है कि जहां मंत्री या विधायक की संपत्ति या तो स्थिर रही या फिर कम हो गई, वहीं उनकी पत्नियों की संपत्ति कई गुना बढ़ गई।

प्रधानमंत्री ने असम में चाय बागान का दौरा किया, महिला श्रमिकों से बात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को असम के डिब्रूगढ़ में एक चाय बागान का दौरा किया और वहां चाय की पत्तियां तोड़ीं। प्रधानमंत्री मोदी असम में विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों के पक्ष में दो चुनावी रैलियों को संबोधित करने के लिए राज्य के एक दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने 'मनोहारी टी एस्टेट' में काम करने वाली महिला श्रमिकों से बातचीत भी की।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हम चाय बागान में काम करने वाले हर परिवार के प्रयासों पर अत्यंत गर्व महसूस करते हैं। उनकी कड़ी मेहनत और लगन ने असम के गौरव को बढ़ाया है।'' मोदी को वहां 19 महिलाओं के समूह के साथ चाय की पत्तियां तोड़ते और उन्हें एक पारंपरिक टोकरी में रखते हुए भी देखा गया। प्रधानमंत्री करीब आधा घंटा इन महिला श्रमिकों के साथ रहे, जिन्होंने सफेद और लाल बॉर्डर वाली पारंपरिक साड़ियां पहनी हुई थीं। उन्होंने चाय बागान श्रमिकों की चिंताओं को भी सुना और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा एवं मजदूरी जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''चाय की पत्तियां तोड़ने के बाद महिलाओं ने अपनी संस्कृति के बारे में बात की और अंत में एक सेल्फी भी ली।'' प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि ये डिब्रूगढ़ के एक चाय बागान की कुछ झलकियां हैं।

प्रधानमंत्री ने श्रमिकों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक झुमुर नृत्य का भी आनंद लिया। आज प्रधानमंत्री धेमाजी जिले के गोगमुख और बिश्वनाथ जिले के बेहाली में दो चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे।

नीतीश के बेटे निशांत ने किया भावुक पोस्ट, कहा- 'ऐसे दूरदर्शी नेता का पुत्र होने पर गर्व'

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता निशांत कुमार ने बुधवार को पिता के कामकाज और नेतृत्व शैली की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें उस महान व्यक्ति का पुत्र होने पर गर्व है, जिसने कभी बदहाल माने जाने वाले बिहार को विकास की नई दिशा दी।

पिछले महीने जदयू की सदस्यता लेने वाले निशांत ने कहा कि उनके पिता ने ऐसे समय में राज्य की बागडोर संभाली थी, जब बिहार विकास और बुनियादी सुविधाओं के मामले में काफी पीछे था। निशांत ने कहा कि लेकिन अपने संकल्प, दूरदर्शिता और मजबूत इच्छाशक्ति के दम पर कुमार ने राज्य की तस्वीर बदल दी। निशांत के अनुसार, कभी अंधेरे में डूबे रहने वाले गांवों तक बिजली पहुंचाना, जर्जर स्कूलों को नए भवन देना और सड़क-विहीन गांवों तक सड़कें पहुंचाना आसान काम नहीं था, लेकिन उनके पिता ने इसे संभव कर दिखाया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि वह ऐसे दूरदर्शी नेता के पुत्र हैं, जिन्होंने बिहार को खस्ताहाल स्थिति से निकालकर खुशहाल बनाने का सपना साकार किया।

'तृणमूल, अन्य दलों ने बंगाल में मुसलमानों का केवल वोट लिया, लेकिन उनके लिए कुछ नहीं किया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और अन्य दलों ने पश्चिम बंगाल में मुसलमानों का इस्तेमाल 'वोट बैंक' की तरह किया, लेकिन समुदाय के विकास के लिए कुछ नहीं किया।

हुमायूं कबीर के नेतृत्व वाली एजेयूपी के उम्मीदवारों के समर्थन में मुर्शिदाबाद जिले के नाओडा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने यह भी दावा किया कि पिछले 50 वर्षों में मुस्लिम समुदाय ने कांग्रेस, वाममोर्चा और तृणमूल कांग्रेस को वोट दिया, लेकिन उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में मुसलमानों को राजनीतिक निर्णय लेने में अधिक प्रतिनिधित्व दिलाने और उनके वास्तविक विकास के लिए हमने कबीर के साथ हाथ मिलाया है। हम सब मिलकर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को करारा झटका देंगे।''

ओवैसी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''अब समय आ गया है कि मुस्लिम समुदाय से ऐसे नेताओं को चुना जाए जो आपके आर्थिक विकास को सुनिश्चित कर सकें।''

उन्होंने कहा, ''यहां की आबादी में मुसलमानों की संख्या लगभग 30 प्रतिशत है, लेकिन राज्य सरकार की नौकरियों में लगभग सात प्रतिशत मुसलमान हैं। मुसलमानों के शोषण को रोकने का समय आ गया है।

पश्चिम एशिया संकट का असर जल्द दिखने के लिए मोदी सरकार की नीतियां जिम्मेदार : प्रियंका गांधी

नाजिरा (असम)/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में वृद्धि की घोषणा के कुछ घंटों बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गलत नीतियों के कारण पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर भारत में उम्मीद से कहीं पहले ही महसूस किया जाने लगा है।

असम के नाजिरा में एक चुनावी रैली से इतर संवाददाताओं से बातचीत में प्रियंका ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की नीतियों के कारण आगे और भी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रियंका ने कहा, अगर प्रधानमंत्री मोदी ने नीतियों को थोड़ा संतुलित रखा होता और देश को अमेरिका और इजराइल का गुलाम न बनाया होता, तो ऐसी स्थिति इतनी जल्दी पैदा न होती।

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण दुनियाभर में तेल की कीमतों में उछाल के बीच भारत में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बुधवार को 195.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई।

जहां कभी नक्सलवाद था, वहां अब खेलों का विकास हो रहा है : ट्राइबल खेलों पर रक्षा खड़से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। खेल राज्यमंत्री रक्षा खड़से ने बुधवार को कहा कि पहले खेलो इंडिया ट्राइबल खेलों ने छत्तीसगढ को एक नई दिशा दी है जिसे पहले पिछड़ा समझा जाता था और नक्सलवाद के लिए जाना जाता था । खेलों के दौरान रायपुर का दौरा करने वाली खड़से ने इस आयोजन के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण की तारीफ की ।

खड़से ने कहा कि सभी प्रदेशों और केंद्रशासित प्रदेशों से 2500 से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी आदिवासी युवाओं को भविष्य बनाने का मंच देने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दिखाती है । उन्होंने कहा ,'' एक समय था जब छत्तीसगढ को नक्सलवाद के लिए जाना जाता था और इसके लोगों को पिछड़ा माना जाता था । मुझे लगता है कि अब इस क्षेत्र को नई दिशा मिल गई है ।' उन्होंने कहा ,'' नक्सलवाद खत्म हो गया है और खेलों के जरिये यहां के युवा अपनी ऊर्जा और सामर्थ्य से देश के लिए खेल सकते हैं ।'' उन्होंने ग्रामीण भारत की महिलाओं को प्रतिस्पर्धी खेलों में लाने वाली अस्मिता लीग के बारे में भी बात की ।

ईडी ने आपराधिक गिरोह के खिलाफ कोलकाता में छापे मारे

नई दिल्ली/भाषा। ईडी ने बुधवार को कोलकाता में कई परिसरों पर एक कथित अपराधी और उससे जुड़े गिरोह के खिलाफ धन शोधन की जांच के तहत छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं। सूत्रों ने बताया कि हत्या के प्रयास और वसूली के आरोपों में गिरफ्तार अपराधी बिस्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू के खिलाफ मामले में यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि बल्लीगंज क्षेत्र में पोद्दार के आवास एवं व्यावसायिक परिसरों के साथ-साथ बाबू सोना उर्फ राहुल दास, सन ग्रुप और जय कामदार के परिसरों सहित लगभग आठ स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

भारत की तरफ से खेलने का लंबे समय से सपना देख रहा था : विलियम्स

कोच्चि/भाषा। अपने पदार्पण मैच में गोल करने के बाद बेहद उत्साहित ऑस्ट्रेलिया में जन्मे भारतीय स्ट्राइकर रयान विलियम्स ने कहा कि भारत की तरफ से खेलना उनका सपना था और उन्होंने मैच से पहले उस पल (गोल करने) को अपने दिमाग में इतनी बार दोहराया था कि जब वह वास्तव में हुआ, तो उन्हें थोड़ा 'धुंधला' सा महसूस हुआ।

विलियम्स ने भारत के लिए अपने पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मंगलवार को यहां चौथे मिनट में ही गोल करके भारत को एशियाई कप क्वालीफाइंग राउंड के मैच में हांगकांग पर 2-1 से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विलियम्स ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, ''मैं लंबे समय से इसका सपना देख रहा था और इसे साकार करने के लिए मैंने बहुत मेहनत की है। आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि फुटबॉल के गढ़ रहे केरल में खेलते हुए आप पांच मिनट के अंदर गोल करके जीत में अहम भूमिका निभाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''अचानक सब कुछ धुंधला सा हो गया। मुझे लगता है कि मैं फिसल गया और फिर मैंने दौड़ लगाई। मुझे समझ नहीं आया कि क्या करूं। क्योंकि मैंने मन ही मन उस गोल को करने का कई बार करने का सपना देखा था और फिर जब वह हुआ तो यह बहुत खास था। तब मैं भावनाओं से भर गया था।'' आकाश मिश्रा ने 50वें मिनट में भारत के लिए दूसरा गोल किया, जो उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल भी था, जिससे खालिद जमील की कोचिंग वाली टीम ने क्वालीफायर के तीसरे दौर में अपनी पहली जीत दर्ज की।

कॉनली ने परिपक्वता दिखाई, वह इस सत्र की खोज होगा: चहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने पदार्पण मैच में ही नाबाद अर्धशतक लगाने वाले कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया का यह युवा बल्लेबाज इस सत्र की खोज होगा।

कॉनली अभी 22 वर्ष के हैं। उन्होंने नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स को मंगलवार को यहां अपने पहले मैच में गुजरात टाइटन्स पर तीन विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। चहल ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''वह अभी केवल 22 साल का है, लेकिन उसमें जीत की प्रबल इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में उसने जिस तरह का प्रदर्शन किया और मैच जिताने वाली पारी खेली, उससे पता चलता है कि वह मानसिक रूप से कितना परिपक्व है।'' तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए कॉनली ने दूसरे छोर पर विकेट गिरने के बावजूद एक छोर संभाले रखा अपने धैर्य का शानदार परिचय दिया। चहल ने कहा, ''वह स्थिति को अच्छी तरह से समझता है। वह इस बात को जानता है कि उसे आखिर तक टिके रहकर मैच खत्म करना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का पता चलता है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।'' उन्होंने कहा, ''वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।'' चहल ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में दबाव बनाए रखा और गुजरात को छह विकेट पर 162 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई।

गुजरात टाइटन्स शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर है: चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि गुजरात टाइटन्स कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर है जिसके कारण टीम परेशानी में पड़ सकती है।

पिछले कुछ सत्र में गुजरात टाइटन्स अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर रहा है और यह सिलसिला मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल के इस सत्र के उसके पहले मैच में भी जारी रहा। इस मैच में गुजरात के मध्य क्रम की कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई। चोपड़ा ने जियोस्टार पर कहा,''गुजरात टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि वे खुद को कोई दूसरा उपाय खोजने का मौका नहीं दे रहे हैं। कई लोग शायद इस बात पर यकीन न करें लेकिन ग्लेन फिलिप्स के 25 रन वास्तव में आईपीएल में उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। वाशिंगटन सुंदर को भी तेजी से रन बनाने की जरूरत है।'' चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ''उन्होंने शाहरुख खान को टीम में बनाए रखा है, लेकिन मुझे लगता है कि कुमार कुशाग्र भी चयन के हकदार थे। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों पर फिर से विचार करने की जरूरत है।'' चोपड़ा ने गिल की कप्तानी की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''उनकी रणनीति समझ से परे है। जब मैच खत्म हो चुका था तब भी मो. सिराज के दो ओवर बचे थे और प्रसिद्ध को काफी देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया। कुल मिलाकर शुभमन गिल की कप्तानी में कुछ कमियां नजर आईं।''

सुविचार

दूसरों की सफलता पर जलने के बजाय, उनसे प्रेरणा लें कि आप भी उस मुकाम तक कैसे पहुँच सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टूट गया ट्रंप का भ्रम?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए जा रहे बयानों से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के संबंध में असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। एक ओर वे ईरानी नेतृत्व को बातचीत का न्योता देते हैं, विचित्र दावे करते हैं, दूसरी ओर इस देश के महत्त्वपूर्ण ठिकानों पर बमबारी करते हैं। आखिर, ट्रंप इस संघर्ष के जरिए दुनिया को कहां लेकर जाना चाहते हैं? आज कई देशों में लोग तेल-गैस की किल्लत का सामना कर रहे हैं। मजदूर शहर छोड़कर गांव जा रहे हैं। उनके चेहरों से निराशा टपक रही है। इन सबका जिम्मेदार कौन है? नोबेल शांति पुरस्कार का सबसे बड़ा दावेदार बनने की सनक में ट्रंप और क्या गुल खिलाएंगे? उन्होंने यह कहते हुए सबको चौंका दिया कि 'ईरान के नए शासन के राष्ट्रपति जो अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कहीं कम कट्टर और कहीं अधिक बुद्धिमान हैं, ने अभी-अभी अमेरिका से युद्धविराम का अनुरोध किया है!' जब ईरान में पहले ही से राष्ट्रपति मौजूद हैं तो नए शासन के राष्ट्रपति कहां से आ गए? क्या ट्रंप ईरान में कोई कठपुतली सरकार बनाकर उसे मान्यता देना चाहते हैं? क्या अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान को 'पाषाण युग' में भेजने की धमकी देकर खुद को सर्वशक्तिमान घोषित करना चाहते हैं? वैसे, ईरान को काफी नुकसान हो चुका है। उसके सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खामेनेई समेत कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और आम नागरिक मारे गए हैं। ट्रंप ने हमला शुरू करने से पहले सोचा होगा कि खामेनेई की मौत के बाद ईरान की जनता सड़कों पर उतर आएगी और अमेरिका की जय-जयकार करेगी। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। ईरान के लोग खामेनेई की नीतियों से नाराज थे। पहले, उन्होंने महंगाई और मुद्रा में भारी गिरावट को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जरूर किया था।

इससे ट्रंप को भ्रम हुआ कि ईरान की जनता उन्हें अपना उद्धारकर्ता समझेगी। अब बमबारी में कितने लोग अमेरिकी राष्ट्रपति के समर्थन में नारे लगा रहे हैं? अब तक ट्रंप का भ्रम टूट गया होगा। वास्तव में यह पूरा अभियान गलत आकलन पर आधारित था। ईरान में आज भी राष्ट्रवाद जिंदा है। इसके नागरिक बेहतर नेतृत्व तो चाहते हैं, लेकिन उन्हें यह मंजूर नहीं कि कोई अमेरिकी कठपुतली उन पर थोप दी जाए। अगर ट्रंप किसी तरह वर्तमान ईरानी नेतृत्व को हटाकर नया नेतृत्व ले आएं तो उसे नागरिकों द्वारा स्वीकार किए जाने की संभावना कम ही है। अगर ईरान को उसके हाल पर छोड़कर सैन्य अभियान बंद कर दिया जाए तो उसे उबरने में वर्षों लगेंगे। इस देश के कई इलाके पूरी तरह तहस-नहस हो गए हैं। नवनिर्माण पर अरबों डॉलर खर्च करने होंगे। युद्ध रुकने का यह मतलब नहीं कि ईरान में जनजीवन तुरंत पटरी पर लौट आएगा। आम नागरिक पहले ही से महंगाई, बेरोजगारी का दंश झेल रहे थे। अब उन्हें इनके साथ जरूरी चीजों की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। इससे जनता में आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है। अगर सरकार लोगों का जीवन स्तर बेहतर नहीं कर पाई तो उसके खिलाफ आंदोलन को हवा मिल सकती है। अमेरिका और इज़राइल उसका पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। उस स्थिति में कोई ऐसा चेहरा उभरकर सामने आ सकता है, जो ईरान की किस्मत बदलने का वादा करे। उसे पश्चिमी देशों से समर्थन मिल सकता है। निर्वासित 'क्राउन प्रिंस' रेज़ा पहलवी को ऐसा संभावित चेहरा माना जा रहा है। ध्यान रहे, जब उनके पिता की सत्ता थी, तब ईरान के आम लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। उस समय शाही परिवार अपने ऐशो-आराम और बड़ी-बड़ी पार्टियों पर बेदर्दी से धन लुटाता था। उससे मुक्ति पाने के लिए क्रांति हुई थी। वर्तमान संघर्ष ने इस देश के लिए बहुत मुश्किल राह खोल दी है। ईरान के लिए यह स्वाभिमान की लड़ाई है। अमेरिका अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। वहीं, इज़राइल के लिए यह अस्तित्व बचाने का संघर्ष है।

ट्वीटर टॉक

कला, इतिहास और विरासत की ये कहानियाँ केवल सीमित स्थानों तक न रहकर आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना आवश्यक है। हमारी सभ्यता के उद्भव से लेकर स्वतंत्रता की प्राप्ति तक की यह यात्रा, ऋषि-मुनियों और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से समृद्ध रही है।

-ओम बिरला

मानवता के अनन्य उपासक परम पूज्य डॉ. श्री श्री श्री शिवकुमार स्वामीजी को उनकी जन्म-जयंती पर कोटि-कोटि नमन! शिक्षा, समाज कल्याण और अध्यात्म के क्षेत्र में उनका अतुलनीय योगदान देश की हर पीढ़ी को निस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

-नरेन्द्र मोदी

'रामजल सेतु परियोजना' की समीक्षा बैठक ली। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह परियोजना हमारे क्षेत्र के जल प्रबंधन ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक कदम है।

-भ जनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

लगन से ज्ञान

एक दिन एक स्कूल इंस्पेक्टर शहर से स्कूल का निरीक्षण करने के लिए आए। सहसा इंस्पेक्टर ने एक कठिन सवाल बच्चों से पूछ लिया। उसका जवाब किसी विद्यार्थी को नहीं आया। शिक्षक के चेहरे पर भय से पसीने की बूंदें छलकने लगीं। तभी स्कूल की खिड़की से झांकता एक अनजान बालक का चेहरा शिक्षक को दिखा। वह कुछ समझ पाते, तभी वह अनजान बालक कक्षा के अंदर आकर बोला, 'सर इसका जवाब मुझे पता है।' उस बालक ने बड़ी सहजता से इंस्पेक्टर के कठिन प्रश्न का जवाब दे दिया। यह देखकर इंस्पेक्टर दंग होकर बोले, 'बेटा, तुम किस कक्षा में पढ़ते हो?' बालक भोलेपन से बोला, 'मैं किसी कक्षा में नहीं पढ़ता। मैं तो इस ओर अपनी गाय चराने आता हूं। शिक्षक की बातें मुझे बहुत अच्छी लगती हैं। इसलिए मैं कक्षा की खिड़की से उनकी बातें सुनता रहता हूं। ये जानकर तो स्कूल इंस्पेक्टर, शिक्षक समेत सभी विद्यार्थी दंग रह गए। उसी समय स्कूल इंस्पेक्टर ने बच्चे का प्रवेश कराने के साथ-साथ उसे छात्रवृत्ति प्रदान करने का निर्देश दिया। इस तरह बालक की शिक्षा शुरू हुई। आज पूरी दुनिया उस बालक को डॉ. राधा बिनोद पाल के नाम से जानती है।

हनुमान जयंती — सामयिक

भक्ति, शक्ति और समर्पण का अद्भुत संगम

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

हनुमान जयंती का यह पावन अवसर हमें आत्म-मंथन के लिए प्रेरित करता है। क्या हम अपने भीतर के डर को जीत पा रहे हैं? क्या हम समाज की सेवा के लिए तत्पर हैं? क्या हमारी शक्ति दूसरों की भलाई के लिए प्रयुक्त हो रही है?

हनुमान जयन्ती का पावन पर्व हिंदू धर्मानुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी उत्सव है। यह दिन भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो शक्ति, भक्ति, निष्ठा और त्याग के प्रतीक हैं। यह पर्व हर वर्ष चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है, और वर्ष 2026 में यह 2 अप्रैल को है। हनुमान जी का चरित्र अद्भुत है, क्योंकि वे एक ओर असीम बल के स्वामी हैं तो दूसरी ओर विनम्रता की प्रतिमूर्ति। वे शिव के ग्यारहवें रुद्र अवतार माने जाते हैं, जिनका जन्म पवन देव के आशीर्वाद से हुआ, इसलिए वे पवनपुत्र कहलाए। उनके जन्म की कथा अत्यंत प्रेरणादायक है, जिसमें माता अंजना की तपस्या और भगवान शिव का वह अंश समाहित है जो संसार को बुराइयों से मुक्ति दिलाने के लिए अवतरित हुआ। हनुमान जी के बचपन की वह कथा आज भी बच्चों से लेकर वृद्धों तक के मन में रोमांच भर देती है, जब उन्होंने सूर्य देव को एक लाल फल समझकर निगलने का प्रयास किया था। यह घटना उनके उस अदम्य साहस और अलौकिक क्षमता का प्रतीक है, जो सीमाओं से परे है। इंद्र के वज्र प्रहार से उनकी ठुड्डी पर लगी चोट ने उन्हें 'हनुमान' नाम दिया, लेकिन उसी क्षण देवताओं द्वारा मिले वरदानों ने उन्हें अपराजेय बना दिया। ब्रह्मा जी ने उन्हें लंबी आयु का वरदान दिया, तो अग्नि ने उन्हें आग से न जलने का और वरुण ने जल से सुरक्षित रहने का आशीष दिया। ये वरदान केवल व्यक्तिगत सिद्धियाँ नहीं थीं, बल्कि भविष्य में होने वाले धर्म और अधर्म के युद्ध की तैयारी थी। हनुमान जयंती पर जब हम उनके जीवन का स्मरण करते हैं, तो उनकी शिक्षा-दीक्षा का प्रसंग भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने सूर्य देव से वेदों का ज्ञान प्राप्त किया और व्याकरण में इतनी निपुणता हासिल की कि वे 'महाव्याकरण' कहलाए। उनका व्यक्तित्व बल और बुद्धि के विलक्षण समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है।

रामचरितमानस और रामायण में हनुमान जी की भूमिका एक ऐसे सेतु की तरह है, जो विरक्त को अनुराग से और भक्त को भगवान से जोड़ती है। ऋष्यमूक पर्वत पर जब उनकी भेंट श्री राम से हुई, तो वह मिलन इतिहास का सबसे पवित्र मिलन बन गया। एक साधारण वानर के वेश में वे अपने प्रभु के पास गए, लेकिन राम की पारखी नजरों ने पहचान लिया कि यह कोई साधारण जीव नहीं है। इसके बाद हनुमान जी का पूरा जीवन राममय हो गया। हनुमान जयंती के इस अवसर पर उनके द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का विश्लेषण करना आवश्यक है। समुद्र लांघने की उनकी क्षमता हमें सिखाती है कि यदि आत्मविश्वास दृढ़ हो, तो सौ योजन का विशाल सागर भी छोटा पड़ जाता है। लंका में अशोक वाटिका के भीतर माता सीता की खोज करना और उन्हें प्रभु राम की मुद्रिका देना उनके धैर्य और बुद्धिमानी की पराकाष्ठा थी। उन्होंने लंका दहन के माध्यम से रावण के अहंकार की लंका को भस्म किया, जो यह संदेश देता है कि अधर्म कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, सत्य की एक लौ उसे राख करने के लिए पर्याप्त है। हनुमान जी का 'सुंदरकांड' केवल एक अध्याय नहीं है, बल्कि वह जीवन के हर मोड़ पर हार रहे मनुष्य के लिए विजय का मंत्र है। लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा के लिए जब वे द्रोणागिरि पर्वत उठाने गए, तो वे केवल एक जड़ी-बूटी नहीं लाए, बल्कि उन्होंने सिद्ध कर दिया कि श्रद्धा के मार्ग पर असंभव शब्द का कोई स्थान नहीं है। यदि औषधि की पहचान नहीं हो सकी, तो उन्होंने पूरे पर्वत को ही उठा लिया-यह उनके निर्णय लेने की क्षमता और कार्य के प्रति अटूट समर्पण को दर्शाता है।

हनुमान जयंती की पूजा विधि और इसमें निहित प्रतीकों का भी गहरा आध्यात्मिक अर्थ है। भक्त मंदिरों में जाकर हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करते हैं। इसके पीछे वह प्रसिद्ध कथा है जिसमें उन्होंने माता सीता को अपनी मांग में सिंदूर लगाते देखा था और जब उन्हें पता चला कि यह श्री राम की लंबी आयु के लिए है, तो उन्होंने अपने पूरे शरीर पर ही सिंदूर मल लिया। यह निश्छल भक्ति का वह स्वरूप है जहाँ भक्त अपने आराध्य की प्रसन्नता के लिए स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर देता है। हनुमान चालीसा का पाठ, जो गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित है, आज दुनिया के कोने-कोने में गूंजता है। इसकी हर पंक्ति में एक विशेष ऊर्जा है। 'भूत पिशाच निकट नहीं आवै' जैसी पंक्तियाँ मनुष्य को अज्ञात भय से मुक्ति दिलाती हैं। हनुमान जयंती पर भंडारों का आयोजन और 'बूंदी के लड्डू' का भोग सामाजिक समरसता का प्रतीक है, जहाँ समाज के हर वर्ग के लोग एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि शक्ति का उपयोग सदैव रक्षा और सेवा के लिए होना चाहिए। हनुमान जी चाहते तो स्वयं रावण का वध कर सकते थे, उनमें इतनी सामर्थ्य थी, लेकिन उन्होंने सदैव अपने प्रभु की आज्ञा का पालन किया और खुद को एक सेवक के रूप में ही प्रस्तुत किया। उनकी यह विनम्रता आज के आधुनिक युग के लिए एक बहुत बड़ी सीख है, जहाँ थोड़े से अधिकार मिलते ही मनुष्य अहंकार से भर जाता है।

आधुनिक संदर्भ में हनुमान जयंती की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। आज का मनुष्य मानसिक तनाव, अवसाद और आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहा है। हनुमान जी का व्यक्तित्व हमें आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाता है। जामवंत जी द्वारा हनुमान जी की सोई हुई शक्ति को याद दिलाना इस बात का प्रतीक है कि हम सबके भीतर अनंत शक्तियाँ छिपी हैं, बस हमें एक सही दिशा और आत्मबोध की आवश्यकता है। हनुमान जयंती पर अखाड़ों में होने वाले आयोजन हमें शारीरिक स्वास्थ्य और अनुशासन के प्रति सचेत करते हैं। वे ब्रह्मचर्य के पालक हैं, जो इंद्रिय निग्रह और मानसिक एकाग्रता का मार्ग है। विद्यार्थी जीवन के लिए हनुमान जी का चरित्र आदर्श है क्योंकि वे एक कुशल वक्ता, चतुर कूटनीतिज्ञ और एकाग्रचित्त साधक हैं। उनकी पूजा करने से व्यक्ति को केवल धार्मिक लाभ नहीं मिलता, बल्कि उसे अनुशासन, समयबद्धता और निष्ठा की भी प्रेरणा मिलती है। हनुमान जी 'अष्टसिद्धि और नवनिधि' के दाता हैं, लेकिन वे ये सिद्धियाँ केवल उसे प्रदान करते हैं जो धर्म के मार्ग पर अडिग रहता है। वे 'चिरंजीवी' हैं, जिसका अर्थ है कि वे हर युग में विद्यमान हैं। ऐसी मान्यता है कि जहाँ भी रामकथा होती है, वहाँ हनुमान जी किसी न किसी रूप में अदृश्य रूप से उपस्थित रहते हैं। यह अटूट विश्वास ही भक्तों को कठिन से कठिन समय में भी संबल प्रदान करता है।

निष्कर्षतः, हनुमान जयंती का यह पावन अवसर हमें आत्म-मंथन के लिए प्रेरित करता है। क्या हम अपने भीतर के डर को जीत पा रहे हैं? क्या हम समाज की सेवा के लिए तत्पर हैं? क्या हमारी शक्ति दूसरों की भलाई के लिए प्रयुक्त हो रही है? हनुमान जी का पूरा जीवन 'परोपकाराय पुण्याय' का जीवंत दस्तावेज है। उनकी भक्ति में कोई शर्त नहीं थी, कोई मांग नहीं थी। उन्हें जब विदा करते समय कीमती मोतियों की माला दी गई, तो उन्होंने उन्हें दांतों से तोड़कर फेंक दिया क्योंकि उनमें 'राम' नहीं दिख रहे थे। ऐसी अनन्य भक्ति ही मनुष्य को साधारण से असाधारण और जीव से शिव बनाती है। आज के दौर में जब विश्व अनेक चुनौतियों से घिरा है, हनुमान जी का 'बजरंग' रूप हमें साहस देता है और उनका 'शांत' रूप हमें धैर्य। हनुमान जयंती हमें विश्वास दिलाती है कि यदि हम निष्ठापूर्वक अपने मार्ग पर चलते रहें, तो बाधाएँ चाहे कितनी ही विकट क्यों न हों, विजय अंततः हमारी ही होगी। इस दिन हमें केवल दीये नहीं जलाने चाहिए, बल्कि अपने भीतर के अंधकार को मिटाने का संकल्प लेना चाहिए। भगवान हनुमान की कृपा हम सब पर बनी रहे और हम उनके पदचिह्नों पर चलते हुए एक बेहतर समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकें, यही इस जयंती की सच्ची सार्थकता होगी। अंत में यही कहा जा सकता है कि हनुमान जी की महिमा अपार है, वे बुद्धिमानों में अग्रगण्य हैं, बलवानों में श्रेष्ठ हैं और भक्तों के हृदय में सदैव निवास करने वाले प्राणस्वरूप हैं। उनकी जयन्ती हमें उस शाश्वत सत्य की याद दिलाती रहती है कि ईश्वर के प्रति समर्पण ही वह एकमात्र चाबी है जिससे मोक्ष और सांसारिक सफलता दोनों के द्वार खुलते हैं।

नजरिया

अमेरिकी साख को बट्टा लगाती ट्रंप की यू-टर्न राजनीति

मनीष कुमार चौधरी
मोबाइल : 9829453147

ट्रंप को आर्थिक या रणनीतिक साझेदार के रूप में यूरोप की बहुत कम चिंता है, जो इसे अपनी भू-राजनीतिक प्रासंगिकता से वंचित करता है। कुछ समय पहले ट्रंप ने नाटो सदस्यों के अनिवार्य वित्तीय योगदान को सकल घरेलू उत्पादन के दो प्रतिशत से बढ़ाकर पांच प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था, जो नाटो के 32 में से केवल 23 सदस्य ही पूरा कर पाते हैं।

अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं और जिस तरह के अविवेक भरे कदम उठा रहे हैं, वे उनकी अमेरिका फर्स्ट' की नीति से उलट हैं। विश्व के अन्य देशों को कुछ भी नहीं समझने का ट्रंप का सयानापन अमेरिका को बाकी दुनिया से अलग-थलग कर रहा है। अमेरिका के लिए यह चिंता की बात इसलिए भी होनी चाहिए कि कुछ समय पहले जारी सोशल प्रोग्रेस इंडेक्स अध्ययन में जीवन की गुणवत्ता के मामले में अमेरिका 1%1 देशों में 32वें स्थान पर है और पोलैंड, लिथुआनिया और साइप्रस जैसे देशों से पीछे है। पिछले कुछ वर्षों में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक, दोनों राष्ट्रपतियों के समय में रैंकिंग में अमेरिका लगातार नीचे गिरता चला आ रहा है। वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स 2026 में भी अमेरिका 23वें नंबर पर जा पहुंचा है, जो एक दशक पहले 15वें नंबर पर था। अमेरिका ने एक आर्थिक और सामाजिक प्रगति की महाशक्ति बनकर शीतयुद्ध जीता था। लेकिन पिछले 30 वर्षों में अमेरिका ने आर्थिक प्रगति को प्राथमिकता पर रखा है और सामाजिक प्रगति के प्रति उदासीन रहा। उसका यह जीडीपी विकास उन चीजों में बदलने में पीछे रह गया है, जिनकी आम लोगों को सबसे अधिक परवाह है। रही-सही कसर डोनाल्ड ट्रंप के अपरिपक्व फैसलों ने पूरी कर दी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की लगातार गिरती साख अमेरिकियों के लिए खतरे की घंटी होनी चाहिए। ईरान युद्ध में उनके दावों-प्रतिदावों और बार-बार यू-टर्न लेने की अदा तो किसी मसखरे-सी हो चली है। अपनी कारगुजारियों से ट्रंप एक शोमैन, विघटनकारी, अल्प ज्ञान और आवेग पर चलने वाले व्यापारी किस्म के खिलंदड़ राजनेता नजर आते हैं। पहले रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता का असफल प्रयास, यूएन पर अविश्वास जताकर बोर्ड ऑफ पीस (बीओपी) को लॉन्च करना, नोबेल पुरस्कार पर छिछोरी राजनीति, रूस और चीन से खतरों का हवाला देकर मॉरीशस को चागोस द्वीप समूह वापस सौंपने के ब्रिटिश फैसले पर सवाल उठाना, फिर वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को बलात उठा लाना, ग्रीनलैंड और क्यूबा पर कुदृष्टि रखना.. और अब ईरान के साथ एक अतार्किक युद्ध में अमेरिका के साथ-साथ पूरी दुनिया को उलझा देना अविश्वसनीय तथा भ्रामक आकांक्षाओं के दायरे में है। 'अमेरिका फर्स्ट' सिद्धांत के संदर्भ में उनकी हर नीति का क्रियान्विति के स्तर पर विफलता में बदल जाना उनके खुद के देश अमेरिका के नागरिकों के बीच गलत कदमों के रूप में चिन्हित किया जा रहा है। ईरान के खिलाफ जबरन थोपी जंग के खिलाफ हाल ही ट्रंप के विरोध में अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 'नो किंग्स' प्रदर्शन हुए। करीब 80 लाख लोगों ने ट्रंप का इस्तीफा मांगा।

लगता है ट्रंप उन्नीसवीं सदी के 'पामर्स्टन' सिद्धांत पर आधारित विदेश नीति से प्रभावित हैं कि किसी देश का कोई शाश्वत सहयोगी और कोई शाश्वत शत्रु नहीं होना चाहिए; केवल शाश्वत हित होने चाहिए। ट्रंप की विदेश नीति और बयानबाजी का उपयोग उनके दंभी शक्ति प्रक्षेपण पर भी आधारित है, जो अमेरिका द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, सबसे बड़ी सेना और वैश्विक वित्तीय लेन-देन की नींव होने के कारण सक्षम है। बहुत कम ही देश ऐसे होंगे जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयानबाजी की ऐसी धृष्टता का प्रयोग करने के आदी हैं जो अब अमेरिकी राजनीति (विशेषकर ट्रंपनुमा) में आम बात हो गई है। पहले यह कहना कि ईरान पर सैन्य क्षमता का इस्तेमाल ज्यादा करेंगे, फिर उस बात से पीछे हट जाना। बाजार में उनकी यह नीति 'टाको ट्रेड' (ट्रंप ऑलवेज चिकन आउट यानी ट्रंप हमेशा पीछे हट जाते हैं) के रूप में चर्चित हो चुकी है। टाको ट्रेड एक ऐसी मार्केट स्ट्रैटेजी है जो डोनाल्ड ट्रंप की ईरान नीति पर लागू होती है। इसमें यह उम्मीद की जाती है कि ईरान के खिलाफ शुरुआती मार्केट में उतार-चढ़ाव पैदा करने के बाद ट्रंप अपनी धमकी वाली सख्त कार्रवाइयों से पीछे हट जाएंगे। ट्रंप की एकतरफा कार्रवाइयां द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की व्यवस्था के मूलभूत सिद्धांतों अर्थात अन्य देशों की संप्रभुता, राज्यों की समानता, क्षेत्रीय अखंडता, कानून के शासन के प्रति सम्मान पर समझ में आने वाला संदेह पैदा करती हैं। ट्रंप में एक ऐसे राष्ट्रपति की झलक दिख रही है जो बलपूर्वक कार्रवाई और तीखे राजनीतिक विभाजन के असामान्य संयोजन से आकार लेता है। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के शुरू से ही स्पष्ट कर दिया था कि वे यथास्थिति को चुनौती देंगे। लेकिन उन नीतियों के अदूरदर्शी कार्यपालन और गलत टाइमिंग ने न सिर्फ अमेरिका में उनके लिए उलझन पैदा कर दी है, समूचे विश्व में उनकी छीछालेदर हो रही है। किसी महाशक्ति के राष्ट्राध्यक्ष के लिए लिए नीतियों में लचीलापन, गठबंधन निर्माण और जटिल वास्तविकताओं की समझ की भी आवश्यकता होती है।अमेरिकी विनिर्माण को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से व्यापार कार्रवाइयों के कारण पहले ही पारंपरिक सहयोगियों के साथ तनाव बढ़ा हुआ था, अब ईरान के साथ युद्ध में ट्रंप के अव्यावहारिक फैसलों से दुनिया भर की आर्थिकी अस्थिरता और अनिश्चितता के घेरे में आ गई है। दृढ़ता और व्यावहारिकता के बीच संतुलन बनाने की उनकी कमजोर क्षमता यानी यह जानना कि कब दृढ़ रहना है और कब अनुकूलन करना है, इस मोर्चे पर ट्रंप बचकाने साबित होते दिख रहे हैं। दुनिया को ट्रंप की सनक का जनवरी 2026 में न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में भान हुआ था, जब उनसे पूछा गया कि उनकी अथॉरिटी पर क्या रोक है, तो ट्रम्प ने बड़ा ही हैरतअंगेज जवाब दिया था- मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग। यही एकमात्र चीज है जो मुझे रोक सकती है। मुझे इंटरनेशनल कानून की जरूरत नहीं है।' यह बयान दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के एक ऐसे बेताब नेता की मानसिकता दिखाता है जो कूटनीति के बजाय निजी अंतर्ज्ञान और धारणाओं में विश्वास करता है। भले ही यह ग्लोबल व्यवस्था तथा ग्लोबल संस्थानों को बर्बाद करने की कीमत पर किया गया हो। ट्रंप तो यहां तक दावा करते हैं कि मेरा पूरा जीवन सौदों के लिए है।' माना जाने लगा है कि यदि उनका प्राथमिक लक्ष्य पूरा नहीं हुआ है तो वे अपनी जुबान से कभी भी पलट सकते हैं। इतिहास में किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने इतनी क्षति नहीं पहुंचाई होगी, वैश्विक स्तर पर इतनी अराजकता नहीं फैलाई होगी या इतने लोगों को इतनी तेजी से या व्यापक पैमाने पर नुकसान नहीं पहुंचाया होगा, जैसा कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में किया है। वे वन मैन शो' के एकमात्र अदाकार की तरह दुनिया की सबसे बड़ी फौजी और आर्थिक ताकत को हांक रहे हैं।

ट्रंप को आर्थिक या रणनीतिक साझेदार के रूप में यूरोप की बहुत कम चिंता है, जो इसे अपनी भू-राजनीतिक प्रासंगिकता से वंचित करता है। कुछ समय पहले ट्रंप ने नाटो सदस्यों के अनिवार्य वित्तीय योगदान को सकल घरेलू उत्पादन के दो प्रतिशत से बढ़ाकर पांच प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था, जो नाटो के 32 में से केवल 23 सदस्य ही पूरा कर पाते हैं। यह तर्क पूरी तरह से अमेरिकियों की दशकों से चली आ रही इस धारणा पर आधारित है कि यूरोप संयुक्त राज्य अमेरिका की कीमत पर अपनी सुरक्षा और समृद्धि के लिए मुफ्त सवारी का आनंद लेता है। ईरान के साथ टकराव के बाद नाटो सदस्यों का दखल न देना और ट्रंप का उन पर बिफरना कुछ-कुछ ऐसा जताना है, मानो वे नाटो के सदस्य देशों को कह रहे हों कि नाटो देश उनका अहसान नहीं चुका रहे। बगैर इस बात की परवाह किए कि उनके इस तरह के अनैतिक व्यापारिक व्यवहार से अमेरिका का बाकी दुनिया से जुड़ाव तो कम हो ही रहा है, उसकी साख पर भी बट्टा लग रहा है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रोड शो

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, नितिन नबीन ने केरल विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में एक रोड शो किया।

पश्चिम बंगाल में 'सांस्कृतिक आपातकाल', मुझे प्रस्तुति की अनुमति नहीं दी गईः हेमा मालिनी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद और फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने पश्चिम बंगाल में 'सांस्कृतिक आपातकाल' लागू होने का आरोप लगाते हुए बुधवार को दावा किया कि राज्य में उनकी पहले से निर्धारित नृत्य प्रस्तुति को राज्य सरकार ने बहाने बनाकर आयोजित नहीं होने दिया।

शास्त्रीय नृत्यांगना हेमा मालिनी ने लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा, ''मुझे अपनी नृत्य नाटिकाओं से संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहरों को समाज के कोने-कोने तक पहुंचाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जिसे सभी ने राजनीति से उठकर सराहा है।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन देश की सांस्कृतिक दूत होने के नाते आज मैं बहुत दुखी, असहाय महसूस कर रही हूं और नाराज भी हूं कि पश्चिम बंगाल जिसे कला और संस्कृति की राजधानी कहा जाता था, वहां आज राजनीतिक नियंत्रण की छाया है। ऐसा वह सरकार कर रही है जिसे जनता ने अपनी कला, साहित्य और संस्कृति को बचाने के लिए चुना था।''

उन्होंने आरोप लगाया कि गत 15 मार्च को कोलकाता में उनकी एक नृत्य प्रस्तुति 'द्रौपदी बैले' को आयोजन से दस दिन पहले निरस्त कर दिया गया और उसके लिए कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया, बल्कि तरह-तरह के बहाने बनाए गए।

हेमा मालिनी ने कहा कि जब दूसरे सभागार में कार्यक्रम का प्रयास किया गया तो यह कहकर अनुमति नहीं दी गई कि वहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी कार्यक्रम है, लेकिन जब पता किया तो प्रधानमंत्री का कार्यक्रम स्थल कहीं और था।भाजपा सांसद ने कहा, ''पिछले आठ-नौ साल से मेरे साथ ऐसा हो रहा है। जब भी कोलकाता में मेरा कार्यक्रम होता है तो कोई बहाना बनाकर रोक दिया जाता है। कहा जाता है कि बहुत भीड़ आएगी और सुरक्षा व्यवस्था नहीं की जा सकती। हम वहां सुरक्षा के बिना प्रस्तुति दे भी नहीं सकते, ऐसा हाल है।''

उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार को लगता है कि मैं भाजपा की सांसद हूं तो हमारे कार्यक्रम का भी राजनीतिक मकसद होगा। यह सोचकर कभी आने नहीं दिया आज तक। इस बार भी ऐसा ही किया गया।

सिंगापुर की गलियों में बसा मौनी रॉय का दिल

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म और म्यूजिक की दुनिया में अक्सर शूटिंग लोकेशन्स कलाकारों के लिए बेहद खास होती हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री मौनी रॉय ने किया, जब उन्होंने सिंगापुर में अपने नए म्यूजिक वीडियो 'सॉसी' की शूटिंग की। इस गाने में उन्होंने पंजाबी सिंगर-रैपर रियार साब और मशहूर रैपर डिवाइन के साथ काम किया है। मौनी रॉय ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि सिंगापुर पहले से ही उनकी ट्रैवल लिस्ट में था, लेकिन इस बार वहां जाना उनके लिए बेहद खास बन गया। उन्होंने कहा, ''इस खूबसूरत देश को पहली बार एक्सपीरियंस करना और उसी दौरान शूटिंग करना मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। मुझे वहां का खाना, फैशन और माहौल बेहद अच्छा लगा। मैं खुद को उस माहौल में पूरी तरह घुली हुई महसूस कर रही थी।'' मौनी ने कहा, ''शूटिंग के दौरान मैं शहर के अलग-अलग हिस्सों में गई और हर जगह का अलग ही अनुभव था। कभी शहर बहुत तेज रफ्तार और हलचल भरा लगता था, तो कभी शांत और सुकून देने वाला। धीरे-धीरे मुझे इस शहर से एक खास जुड़ाव महसूस होने लगा। मैं यहां काम करने आई थी, लेकिन इस शहर के आकर्षण में कहीं खो सी गई। मैं दोबारा जरूर सिंगापुर आना चाहूंगी।''

गाना 'सॉसी' गली गैंग एंटरटेनमेंट के बैनर तले तैयार किया गया है और यह डिवाइन के पांचवें स्टूडियो एल्बम 'वॉकिंग ऑन वॉटर' का हिस्सा है।डिवाइन ने इस गाने को लेकर कहा कि वह एक ऐसा ट्रैक बनाना चाहते थे जिसे लोग आसानी से सुन सकें और अच्छा महसूस करें। यह गाना एक अलग तरह की वाइब देता है, जिसमें म्यूजिक और एनर्जी दोनों है।उन्होंने कहा, रियार साब के साथ मेरी केमिस्ट्री हमेशा अच्छी रही है और मौनी रॉय के साथ काम करने से यह प्रोजेक्ट और भी खास बन गया। जब शूटिंग के लिए लोकेशन तय की जा रही थी, तो सिंगापुर सबसे सही जगह लगा। मुझे इस शहर की तेज रफ्तार अंदाज काफी पसंद आया। वहीं, रियार साब ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, डिवाइन के साथ काम करना हमेशा आसान और मजेदार होता है। 'सॉसी' ऐसा गाना है जिसमें शुरुआत से ही सही एनर्जी थी। सिंगापुर में शूटिंग करना एक अलग और खास अनुभव था। हमने इस गाने में अपना पंजाबी अंदाज जोड़ने की कोशिश की है, ताकि लोग इसे सुनकर एंजॉय कर सकें।

शिरडी मंदिर पहुंचकर प्रार्थना बेहेरे ने लिया आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

महाराष्ट्र के शिरडी में इन दिनों मराठी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री प्रार्थना बेहेरे अपकमिंग फिल्म 'साखे ग सजनी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म रिलीज से पहले उन्होंने शिरडी मंदिर पहुंचकर आशीर्वाद लिया और अपनी फिल्म के बारे में आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने फिल्म की कहानी और उससे जुड़े भाव को भी विस्तार से साझा किया। आईएएनएस से बात करते हुए प्रार्थना बेहेरे ने कहा, 'साखे ग सजनी' एक ऐसी कहानी है, जो दोस्ती और जिंदगी के बदलाव को बहुत ही खास तरीके से दिखाती है। फिल्म में तीन दोस्तों की कहानी है, जो एक सोलो ट्रिप पर निकलते हैं। यह ट्रिप सिर्फ एक घूमने-फिरने का सफर नहीं होता, बल्कि उनके जीवन को पूरी तरह बदल देने वाला अनुभव बन जाता है। उन्होंने बताया, ''इस यात्रा के दौरान जो घटनाएं होती हैं, वही इस फिल्म की असली कहानी है और यही इसे खास बनाती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''आज के समय में लोग ट्रैवल को सिर्फ मनोरंजन या छुट्टी के तौर पर देखते हैं, लेकिन कई बार यही यात्राएं इंसान को खुद से जोड़ने और जीवन को नए नजरिए से देखने का मौका देती हैं। 'साखे ग सजनी' भी इसी भाव को दर्शाती है, जहां दोस्ती, अनुभव और आत्म-खोज एक साथ आते हैं। दर्शक इस कहानी से खुद को जोड़ पाएंगे। इसमें आम जिंदगी के एहसास और रिश्तों की सच्चाई को दिखाया गया है।''

प्रार्थना बेहेरे ने कहा, ''मुझे अपने दर्शकों पर पूरा भरोसा है कि लोग इस फिल्म को थिएटर में देखने जरूर आएंगे और इसे उतना ही प्यार देंगे, जितना उनके पिछले प्रोजेक्ट्स को मिला है।'' अगर प्रार्थना बेहेरे के करियर की बात करें, तो उन्होंने बहुत कम उम्र में अभिनय की शुरुआत कर दी थी। उन्होंने सबसे पहले मराठी सिनेमा में कदम रखा और धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई। साल 2009 में उन्होंने मराठी फिल्म 'रीता' से करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने 'माई लेक' जैसी फिल्मों में काम किया और अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा।टीवी इंडस्ट्री में भी प्रार्थना बेहेरे ने मजबूत पहचान बनाई। उन्होंने जी टीवी के लोकप्रिय शो 'पवित्र रिश्ता' में वैशाली करंजकर का किरदार निभाया, जिससे उन्हें घर-घर में पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्मों में भी कदम रखा। साल 2011 में उन्होंने 'लव यू मिस्टर कलाकार' से बॉलीवुड में डेब्यू किया और उसी साल 'बॉडीगार्ड' में भी नजर आईं। मराठी फिल्मों में प्रार्थना ने 'मितवा', 'कॉफी एनी बराच काही', 'वक्रतुंड महाकाय', 'मिस्टर एंड मिसेज सदाचारी' और 'फुगे' जैसी फिल्मों में काम किया।

प्रदर्शन

पटियाला के सरकारी राजिंदरा अस्पताल में ग्रेड पे की अपनी मांग के समर्थन में पंजाब सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान यूनाइटेड नर्सिंग एसोसिएशन के सदस्यों ने प्रदर्शन किया।

एआई शक्ति के रूप में उभरने के लिए स्वदेशी क्षमता और नैतिक शासन को आधार बनाये भारत : विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। विशेषज्ञों ने बुधवार को दिल्ली में एक चर्चा के दौरान कहा कि वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शक्ति के रूप में उभरने के लिए भारत को स्वदेशी क्षमता और नैतिक शासन को आधार बनाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रौद्योगिकी व्यापक जनहित में काम करे। एक बयान के अनुसार, दिल्ली स्थित थिंक टैंक भारत की सोच द्वारा आयोजित पुस्तक चर्चा शृंखला के तहत इस सत्र का आयोजन हुआ जिसमें इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया कि प्राचीन भारतीय ज्ञान, विशेष रूप से अर्थशास्त्र कैसे एआई के माध्यम से उत्पन्न आधुनिक भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए एक मजबूत ढांचा प्रदान करता है।विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल युग में भारत के नेतृत्व को केवल गति से नहीं मापा जा सकता है और इस बात पर जोर दिया कि तकनीकी प्रगति को जन कल्याण की व्यापक दृष्टि के साथ तालमेल बिठाना होगा।

भारत की सोच के निदेशक आर. के. पचनंदा ने कहा, ''भारत से वैश्विक स्तर पर शीर्ष एआई शक्तियों में से एक बनने का आह्वान किया जाता है।

प्रचार

गुवाहाटी में विधानसभा चुनाव से पहले सेंट्रल गुवाहाटी निर्वाचन क्षेत्र से असम जातीय परिषद के उम्मीदवार कुंकी चौधरी ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के साथ प्रचार किया।

प्रदर्शन

कोलकाता में मुख्य चुनाव अधिकारी के ऑफिस के बाहर बूथ लेवल ऑफिसर ने विरोध प्रदर्शन किया।

डिंपल कपाड़िया को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत, अनीता आडवाणी-राजेश खन्ना के रिश्ते को कानूनी मान्यता देने की याचिका खारिज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनीता आडवाणी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है क्योंकि कोर्ट ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उनके और दिवंगत अभिनेता राजेश खन्ना के रिश्ते को कानूनी मान्यता देने की बात कही गई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अभिनेत्री अनीता आडवाणी की अपील खारिज कर दी है और रिश्ते को शादी का कानूनी दर्जा देने की मांग को गलत बताया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने डिंडोशी सेशन कोर्ट के पहले के फैसले को बरकरार रखा है। बता दें कि यह मामला राजेश खन्ना के 2012 में निधन के बाद से ही विवादों में रहा है। राजेश खन्ना के परिवार और अनीता आडवाणी के बीच लंबे समय से कानूनी लड़ाई चल रही है। जस्टिस शर्मिला देशमुख की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद साफ शब्दों में कहा, फर्स्ट अपील डिसमिस्ड, यानी अपील खारिज की जाती है।

हालांकि, इस मामले में विस्तृत आदेश अभी जारी होना बाकी है। सुनवाई के दौरान डिंपल कपाड़िया, ट्विंकल खन्ना और अक्षय कुमार की ओर से पेश पक्ष को भी अदालत ने सुना। अनीता आडवाणी का कहना था कि वह राजेश खन्ना के साथ लंबे समय तक रिश्ते में थीं और यह रिश्ता शादी जैसा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि अभिनेता की मौत के बाद उन्हें उनके बंगले 'आशीर्वाद' से बाहर कर दिया गया। उन्होंने अभिनेता की संपत्ति में भी हिस्सेदारी की मांग की थी। इतना ही नहीं, अभिनेत्री अनीता ने अक्षय कुमार, डिंपल कपाड़िया और ट्विंकल खन्ना के खिलाफ भी घरेलू हिंसा व मारपीट का केस दर्ज कराया था।

भोजपुरी एल्बम 'शहरिया' जल्द होगा रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार और गायक पवन सिंह, जिन्हें 'पावर स्टार' कहा जाता है, इन दिनों साउथ सिनेमा में अपनी सिंगिंग डेब्यू के लिए सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच, अभिनेता अपने भोजपुरी फैंस को एक और धमाकेदार म्यूजिक एल्बम 'शहरिया' का तोहफा देने जा रहे हैं। पवन सिंह ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' से एक पोस्ट शेयर कर अपने फैंस को इसकी जानकारी दी। इसी के साथ अभिनेता ने एल्बम का पोस्टर भी जारी किया। पोस्टर में पवन सिंह के साथ शिवानी सिंह नजर आ रही हैं। 'शहरिया' के पोस्टर में दोनों ही कलाकारों का लुक काफी शानदार नजर आ रहा है। म्यूजिक वीडियो जल्द ही 'एस मनोरंजन' नामक यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा, जिसका फैंस अब बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। म्यूजिक एल्बम 'शहरिया' में लोगों को पवन सिंह की दमदार गायकी के साथ-साथ शिवानी सिंह के साथ उनकी शानदार जोड़ी देखने को मिलेगी।

बता दें, इन दिनों पवन सिंह ने एक्टर अदिवि शेष की आगामी बहुभाषी फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' से साउथ (तेलुगु) सिनेमा में धमाकेदार सिंगिंग डेब्यू किया है। उन्होंने इस फिल्म में 'टच बडी' गाने को अपनी दमदार आवाज दी है, जो कि हिंदी और तेलुगु दोनों ही भाषाओं में 28 मार्च को रिलीज हुआ।

'टच बडी' गाने में पवन सिंह के साथ जोनिता गांधी ने भी अपनी शानदार आवाज दी है, जो लोगों को काफी पसंद आ रहा है। गाने की लोकप्रियता के साथ ही भोजपुरी के सुपरस्टार की पहुंच अब बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ सिनेमा में भी मजबूत हो रही है। शेनिल देव द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मूवी में अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं को निभाते नजर आएंगे। फिल्म की कहानी एक गुस्से से भरे कैदी के ईर्द-गिर्द है, जो धोखा का बदला लेने के लिए निकलता है।

बिहार मेरी पहचान की नींव है : पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

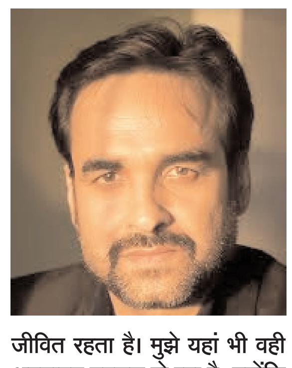

दुनिया के अलग-अलग देशों में बसे भारतीय जब अपनी संस्कृति और परंपराओं को मनाते हैं, तो वह सिर्फ एक त्योहार नहीं बल्कि अपनी पहचान और जड़ों से जुड़ने का एक खास मौका बन जाता है। जापान की राजधानी टोक्यो में भी ऐसा ही एक भावनात्मक माहौल देखने को मिला, जब बिहार दिवस के अवसर पर भारतीय समुदाय एकत्र हुए। इस खास मौके पर अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने अपने विचार साझा किए और बताया कि कैसे बिहार की मिट्टी ने उनके व्यक्तित्व को गहराई से आकार दिया है। इस अवसर पर पंकज त्रिपाठी ने बताया कि उनकी सादगी, संघर्ष और संवेदनशीलता सब कुछ बिहार से ही आया है। उन्होंने कहा, ''बिहार की मिट्टी से जो सादगी और संघर्ष मिलता है, वही मेरी पहचान की नींव है। बिहार सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो हर बिहारी के भीतर हमेशा जीवित रहता है। मुझे यहां भी वही अपनापन महसूस हो रहा है, क्योंकि यहां मौजूद हर व्यक्ति के दिल में बिहार बसा हुआ है। यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास है।''

उन्होंने कहा, ''बिहार के लोग कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत, ईमानदारी और सपनों के साथ आगे बढ़ते हैं। यही कारण है कि आज दुनिया भर में बिहारी अपनी मेहनत और काबिलियत से पहचान बना रहे हैं। चाहे कला हो, शिक्षा, व्यापार या सार्वजनिक सेवा, हर क्षेत्र में बिहारी लोग लगातार अपना योगदान दे रहे हैं और भारत की छवि को मजबूत कर रहे हैं।'' अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ''विदेश में आयोजित ऐसे कार्यक्रम हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। ये हमें हमारी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों की याद दिलाते हैं। यह मेरे जीवन के शुरुआती संघर्षों और सफर की याद दिलाता है, जिसने मुझे आज एक सफल कलाकार बनाया।' पंकज त्रिपाठी ने कहा, ''इस कार्यक्रम में अपने परिवार के साथ शामिल होना मेरे लिए और भी भावनात्मक अनुभव है। यह सिर्फ एक राज्य का जश्न नहीं है, बल्कि यह अपनी आने वाली पीढ़ी को अपनी पहचान और संस्कृति से जोड़ने का एक जरिया भी है। वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ते समय अपनी जड़ों से जुड़े रहना बेहद जरूरी है।'' उन्होंने बिहार को एक ऐसी कहानी बताया जो विरासत, सीख और असीम संभावनाओं से भरी है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि वह खुद को इस कहानी का एक छोटा सा हिस्सा मानते हैं।

चरित्र की साधना से ही मिटेगा अनंत जन्मों का अंधकार : आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ ट्रस्ट में विराजित आचार्य कुलबोधिसूरिश्वरजी के सान्निध्य में नवपद के अंतर्गत चरित्र पद की आराधना भक्ति-भाव एवं श्रद्धा के साथ संपन्न हुई। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि आत्मा अनादिकाल से संसार में भटक रही है। इस दौरान हर संबंध बनाए, हर सामग्री हमने पाई है। शास्त्रकार लिखते हैं, इस अनंत परिभ्रमण के पीछे तीन प्रमुख कमजोरियां रही हैं। पहली, अनेक आराधनाएं मिलने के बावजूद नवपद की प्राप्ति नहीं होना अथवा केवल द्रव्य से आराधना करना, भाव से नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नवपद में इस भव और परभव के समस्त दुःखों को समाप्त करने की अद्भुत शक्ति निहित है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि श्रीपाल ने नवपद को अपनाया और उसका जीवन सफल हुआ, जबकि धवल ने उसे नहीं अपनाया, जिससे वह फलित नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि हमारी भावना यह रहनी चाहिए कि नवपद के सिवाय मुझे कुछ पसंद नहीं, नवपद के बिना मेरे जीवन का कोई आधार नहीं।

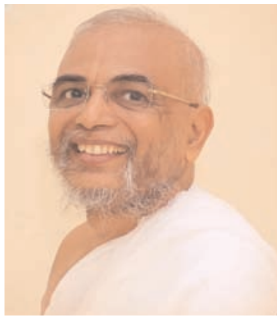

आचार्यश्री ने कहा कि भीतर के भाव अत्यंत निर्णायक होते हैं। यदि नवपद करने का अवसर न भी मिले, तो भी उसके प्रति गहरी श्रद्धा और प्रेम होना चाहिए।

उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया कि जब अमृत क्रिया सिद्ध होती है, तो उसका फल तत्काल प्राप्त होता है। शास्त्रों के अनुसार की गई प्रत्येक क्रिया आत्मोन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि यदि प्रवचन सुनते समय रोंगटे खड़े हो जाएं, तो समझना चाहिए कि वैराग्य की भावना जागृत हो रही है।

शास्त्रों का उल्लेख करते हुए आचार्यश्री ने बताया कि ज्ञान का वास्तविक फल चरित्र है। उन्होंने कहा कि सम्यक ज्ञान केवल मनुष्य भव में ही प्राप्त होता है, अतः इस अवसर का सदुपयोग करते हुए चारित्र की भावना अवश्य रखनी चाहिए। चरित्र की महिमा को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि एक दिन का भी संयम जीवन को ऊंचाइयों पर पहुंचा सकता है।

चरित्र की तुलना उन्होंने डायमंड बिजनेस से करते हुए कहा कि संसार के भौतिक कार्य केवल चने-मुरमुरे के समान हैं, जबकि चरित्र रूपी साधना अमूल्य हीरे के समान है, जो जीवन को अनमोल बना देती है। अंत में आचार्यश्री ने सभी को ॐ ह्रीं नमो चारितस्स की माला जपने तथा स्वयं या परिवार में से किसी एक के चरित्र ग्रहण करने का संकल्प लेने की प्रेरणा दी। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी भी दी। आचार्यश्री की किलपॉक संघ में स्थिरता 9 अप्रैल तक रहेगी।

छाछ वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मायावरम् में भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक समारोह के मौके पर अखिल भारतीय नानक प्राज्ञ संघ के सदस्यों द्वारा छाछ वितरण किया गया। छाछ वितरण कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष किशोर तातेड़, वरिष्ठ सदस्य श्रीचंद छल्लानी, पूर्व अध्यक्ष अजित श्रीश्रीमाल, पूर्व मंत्री भटुसिंह रेदासनी, सुनील हिंगड़, अनिल सेठी, वैश्य महासंगठन के राष्ट्रीय सचिव मनोज जैन, ललित सांड, अशोक श्रीश्रीमाल, संदीप चोपड़ा, पदम श्रीश्रीमाल, प्रियंका लोढ़ा, शर्मिला सेठी, सोनम श्रीश्रीमाल आदि ने सेवा प्रदान की।

कोयंबटूर तेरापंथ भवन में मनाया गया महावीर जन्म कल्याणक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। मंगलवार को महावीर जन्म कल्याणक के उपलक्ष में तेरापंथ महिला मंडल ने 'वीरों के वीर, धीर वीर वीर गंभीर-प्रभु महावीर' कार्यक्रम आयोजित किया। अनामिका घिया के मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। रोचक संस्मरणों द्वारा 14 स्वप्न, भगवान का जन्म और जन्म महोत्सव, भगवान द्वारा प्ररूपित पंचशील धर्म के बारे में क्रमवार तरीके से शांति मरोठी, रूपकला भंडारी एवं सुरेखा सेमलानी ने बताया। वंदना पारख, मधु चौरडिया, ज्योति बुरड ने गीतों से लयमय भक्ति करवाई। दिल्ली से आए प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षिका एवं उपासिका राज गुनेचा ने 7 केंद्रो पर ध्यान का प्रयोग करवाया। मंजू सिंघवी ने जय महावीर भगवान के संगान से कार्यक्रम का समापन किया। मंडल सहमंत्री वंदना पारख में धन्यवाद दिया। सविता भंडारी ने संचालन किया। इसके अलावा मंडल में जमीकंद त्याग, रात्रि भोजन त्याग, माला एवं एकासन उपवास की श्रृंखला में 100 से अधिक श्रावक श्राविकाओं की सहभागिता रही।

दाहिमा भवन में हनुमान जन्मोत्सव आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के दाहिमा भवन में माँ दधिमती सेवा धाम के तत्वावधान में श्री हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम 2 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा। प्रातः मंगल पूजा और अभिषेक से महोत्सव प्रारम्भ होगा।

दोपहर में दधिमती महिला मण्डल की सदस्याओं द्वारा संगीतमयी सुंदरकांड का पाठ के उपरांत भजन प्रस्तुतियाँ दी जाएगी।

सायं में संध्या आरती के बाद प्रभु की शोभायात्रा दाहिमा भवन से प्रारम्भ होगी। आयोजकों ने सभी हनुमान भक्तों से कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया गया है।

ऑटिज्म एक विकार नहीं है, यह एक स्पेक्ट्रम है : डॉ जयंती आर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एसआरएम कॉलेज ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस 2026 का आयोजन किया। सामुदायिक सेवा के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत, एसआरएम कॉलेज ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी ने एसआरएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल और अनुसंधान केंद्र के बाल रोग विभाग के सहयोग से ऑटिज्म सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बाल स्वास्थ्य जांच पहल की शुरुआत की है। इसके साथ ही कॉलेज ने ऑटिज्म जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत दंत जांच शिविर, अभिभावक सहायता समूह सत्र और विभिन्न जागरूकता गतिविधियो का भी आयोजन किया कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा पेशेवर, शिक्षाविद, छात्र और अभिभावक उपस्थित होकर ऑटिज्म से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए जागरूकता, समझ और समावेशी प्रथाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के अवसरों पर बल दिया।

इस अवसर पर एसआरएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल और अनुसंधान केंद्र की डीन डॉ. जयंती आर ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए कहा कि ऑटिज्म के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव आज की बड़ी आवश्यकता है उन्होंने कहा, ऑटिज्म एक विकार नहीं है, यह एक स्पेक्ट्रम है। उन्होंने स्वीकृति, प्रारंभिक हस्तक्षेप और व्यक्तिगत देखभाल के दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, डॉ. जे. विजयलक्ष्मी, वरिष्ठ सलाहकार, एनआईआईपीएमडी ने ऑटिज्म से ग्रस्त बच्चों के विकास में संचार की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रभावी संचार को बढ़ावा देना ही प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए।

किड्स कार्निवल में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने प्राप्त किया ज्ञान

गुजराती श्वेतांबर स्थानकवासी जैन संघ ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राष्ट्रसंत नम्रमुनिजी की प्रेरणा एवं महासतीजी समाधिजी की निश्रा में पुरुषवाक्कम स्थित गुजराती स्थानकवासी जैन संघ में आयोजित तीन दिवसीय किड्स कार्निवल का समापन रविवार को हुआ। साध्वी समाधिजी, मित्राजी, प्रभुताजी, सात्विकाजी और श्रीवत्सलाजी की निश्रा में आयोजित इस शिविर में बच्चों को मस्ती के साथ ज्ञान भी मिले उद्देश्य से अनेक गतिविधियां करवाई गई। इस कार्निवल में करीब सात सौ बच्चों ने उत्साह से भाग लिया।

बच्चों ने वंडर एंड विजडम, डिजाइन योर डेस्टिनी, ट्रेजर हंट, मड स्विंग, जंपिंग जैक, टॉय ट्रेन (सिर्फ पांच साल के बच्चों के लिए), राइज एंड फॉल ऑफ कर्मा, डिजिटल टैप गेम, टैटू कॉर्नर, स्नेक एंड लैडर आदि विभिन्न शैक्षणिक खेलों में अद्भुत उत्साह और आत्मज्ञान के साथ भाग लिया। आयोजकों ने बच्चों को पुरस्कार वितरित किए। शनिवार को मुम्बई की देवांश दोशी ने बच्चों के साथ भक्ति गीत गाए।

राष्ट्रसंत नम्रमुनिजी व संघ के अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। किड्स कार्निवल के अध्यक्ष हितेनभाई कामदार, सचिव किरीटभाई पारेख, समीरभाई बाविसी और अन्य सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

महावीर जन्म कल्याणक पर किया अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर जीएसएस जैन विद्यालय के वर्ष 1991 बैच के पूर्व विद्यार्थियों द्वारा वेपेरी विद्यालय के प्रांगण में अन्नदान किया गया। लगभग 1000 लोगों ने भोजन ग्रहण किया।

यह सेवा कार्य भगवान महावीर के अहिंसा, दया, मानवता और शाकाहार के संदेश को समर्पित रहा। अन्नदान कार्यक्रम में समिति के दस्य दीपक सेठिया, रोशन लोढ़ा, पदम नाहर, श्रीपाल कांटेड और राजेश पुनामिया सहित अन्य 15 सदस्यों ने सेवा प्रदान की।

मूंगफली वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के महावीर जन्म कल्याण दिवस पर मंगलवार को नाहर बंधु एसोसिएशन, तमिलनाडु द्वारा जैन दादावाड़ी प्रांगण में लगभग हजारों लोगों को दो सौ किलो उबली हुई मूंगफली का वितरण किया। नाहर बंधु एसोसिएशन के अध्यक्ष हंसराज नाहर सहित अन्य सदस्यों ने सेवा में भाग लिया।

पूर्व मंत्री व द्रमुक के प्रत्याशी सेंथिल बालाजी ने प्रवासियों से मांगा समर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विभिन्न संघों में द्रमुक प्रत्याशी का हुआ सम्मान

कोयम्बटूर। तमिलनाडु के करूर से वर्तमान विधायक एवं कोंगू क्षेत्र के डीएमके प्रभारी पूर्व मंत्री तथा आसन्न विधानसभा चुनाव में कोयंबटूर दक्षिण से द्रमुक विधानसभा प्रत्याशी सेंथिल बालाजी ने मंगलवार को अपने चुनाव अभियान की शुरूआत की। कोयम्बटूर नगर में अपने चुनाव प्रचार का आगाज सेंथिल बालाजी ने प्रवासी संघ एससीएस जैन भवन से की। संघ के अध्यक्ष हनुमानचंद बागरेचा, उपाध्यक्ष दिनेश नाहर एवं सचिव धर्मेंद्र श्रीश्रीमाल ने सेंथिल बालाजी का सम्मान किया। इस मौके पर सेंथिल बालाजी ने कहा कि आज में आप सभी से अपने पक्ष में वोट की अपील करने आया हूँ और समर्थन मांगने आया हूं। संघ सदस्यों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आदेशानुसार वे कोयंबटूर दक्षिण से पर्चा भरा है। द्रमुक सरकार सर्वजनों की सरकार है यहां किसी के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता है। बालाजी ने कहा साधारण जनों की सेवा करने के लिए पद की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने सभी के सहयोग की अपील की और आश्वासन दिया कि वे प्रवासियों के हर कार्य के लिए सदैव उपस्थित होंगे। इस मौके पर सेंथिल बालाजी के साथ स्थानीय द्रमुक पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। सेंथिल बालाजी ने संघ के प्रबंध न्यासी इंदरचंद कोठारी व अन्य पदाधिकारियों का भी सम्मान किया।

स्थानीय एसएसएस जैन भवन से बाबा रामदेव मंदिर होते हुए सेंथिल बालाजी आरजी स्ट्रीट स्थित श्री राजस्थान श्वेताम्बर जैन मूर्ति पूजक संघ पहुंचे जहां उनका स्वागत संघ के अध्यक्ष गुलाबचंद मेहता,उपाध्यक्ष प्रकाश कोठारी,सचिव गौतम बाफना सह सचिव गौतम चंद बाफना सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने किया।

नि:शुल्क जल एवं छाछ वितरण मंदिर प्याउ का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। अग्रवाल सभा ट्रस्ट सेलम द्वारा बुधवार को आरएसएस भवन में नि:शुल्क जल एवं छाछ वितरण मंदिर प्याउ का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर संस्था के ट्रस्टी अशोक परसरामपुरिया एवं अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने राहगीरों को छाछ बांटकर कार्यक्रम की शुरूआत की। सचिव मुरली मनोहर ने बताया कि यह जल एवं छाछ वितरण सेवा 31 मई तक चालू रहेगी। बुधवार को जल एवं छाछ वितरण सेवा के सेवार्थी कमल तायल एवं अमित गुप्ता परिवार वाले थे। इस सेवा कार्य के मौके पर कोषाध्यक्ष महेंद्र पोद्दार, मनीष गरोदिया, संदीप बजाज, तरुण अग्रवाल ने श्रमदान किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.